वर्ष : 16 ❖ अंक : 287 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 31 मई 2022

बिहार में नीतीश कुमार ही अकेले बुद्धिमान नहीं : प्रशांत किशोर 3
प्रौद्योगिकी के साथ बदल रहा है युद्ध का तरीका : वायु सेना प्रमुख 8

विमल गुरुंग एसटीएनएम अस्पताल में भर्ती

आमरण अनशन शुरु करने के बाद हुए थे बीमार

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 30 मई । गोरखा जनमुक्ति मोर्चा सुप्रीमो विमल गुरुंग को इलाज के लिए गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुंग को उनके समर्थक आज दोपहर गंगटोक लेकर आए। गुरुंग की हालत नाजुक बताई जा रही है।

गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) के लिए चुनाव 26 जून को होने हैं और कभी जीटीए के अध्यक्ष रहे विमल गुरुंग की पार्टी इसका विरोध कर रही है। वह चुनाव के विरोध में 25 मई से भूख हड़ताल पर थे। पांच दिन के अनशन के बाद कल उन्होंने अपना अनशन समाप्त किया। इस बीच उनकी तबीयत काफी खराब हो गई। इसके बाद उन्हें दार्जिलिंग जिला अस्पताल ले जाया गया था। दार्जिलिंग जिला अस्पताल द्वारा कल गहन देखभाल के लिए रेफर किए जाने के बाद 67 वर्षीय गुरुंग को आज गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल लाया गया।

दार्जिलिंग के एक प्रमुख राजनेता को इलाज के लिए गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल लाए जाने का मामला सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। सबसे आम हो या खास, उन्हें इलाज के लिए सिक्किम से सिलीगुड़ी और राज्य के बाहर के अन्य शहरों में ले जाया जाता था। हालांकि, विमल गुरुंग को एसटीएनएम अस्पताल लाए जाने पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। कुछ ने कहा है कि विमल गुरुंग और राज्य में मौजूदा एसकेएम पार्टी के बीच कड़वाहट को खत्म करना गुरुंग की कूटनीति थी, जबकि अन्य ने कहा कि एसटीएनएम अस्पताल में हाल ही में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के कारण उन्हें सिलीगुडी ले जाए जाने की जगह यहां लाया गया है।

इस बीच, गोरखा जनमुक्ति मोर्चा पार्टी के सदस्य प्रियवर्धन राई ने कहा कि गंगटोक से हमारे संबंधों और एसटीएनएम अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं विकास के कारण विमल गुरुंग को सिलीगुड़ी या कहीं और ले जाए जाने की जगह गंगटोक लाया गया है। उनके अनुसार, सिक्किम में एसटीएनएम अस्पताल में अब अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं हैं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भी चर्चा हो रही है। वहीं, दूसरी ओर, गंगटोक की तुलना में सिलीगुड़ी के दार्जिलिंग से निकट होने के बावजूद विमल गुरुंग को यहां लाए जाने पर उन्होंने कहा कि जमीनी दूरी से हमारा रक्त संबंध गंगटोक से अधिक करीब है। उन्होंने

कहा कि हाल के दिनों में सिक्किम के साथ कुछ मतभेदों के बावजूद सिक्किम हमेशा गरखालैंड के लिए दार्जिलिंग के लोगों के साथ खड़ा रहा है। विमल गुरुंग के एसटीएनएम अस्पताल में भर्ती होने के फौरन बाद मुख्यमंत्री पीएस गोले के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने एसटीएनएम अस्पताल में उनका हालचाल जाना।

स्टेट ब्रॉडबैण्ड कमिटी की बैठक सम्पन्न

मुख्य सचिव ने स्पीड बढ़ाने का दिया निर्देश

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 30 मई । दूरसंचार विभाग के डीडीसी एन मुरली कृष्णा द्वारा बुलायी गयी स्टेट ब्रॉडबैण्ड कमिटी (एसबीसी), सिक्किम की तीसरी बैठक आज यहां ताशीलिंग सचिवालय में मुख्य सचिव एससी गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसकी शुरुआत में सिक्किम दूरसंचार विभाग के निदेशक जयंत कोले ने सभी का स्वागत किया।

वहीं अपने स्वागत भाषण में मुख्य सचिव एससी गुप्ता ने बेहतर इंटरनेट स्पीड तथा उपयोगकर्ताओं की सुविधा की दिशा में 3जी और 4जी सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभी टीएसपी को 3जी-4जी में माइग्रेट करने को कहा गया है। वहीं बैठक में चर्चा के दौरान मुख्य सचिव ने राज्यवासियों के हित में सभी टीएसपी से नेटवर्क स्पीड बढ़ाने का आग्रह भी किया।

इस दौरान डीडीजी सिक्किम एन मुरली कृष्णा ने नेशनल ब्रॉडबैण्ड मिशन के अंतर्गत स्टेट ब्रॉडबैण्ड कमिटी के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत किफायती तथा उच्च बॉडबैण्ड स्पीड और पूरे राज्य में दूरसंचार नेटवर्क का फाइबरीकरण शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी प्रस्तुति में पिछली बैठक के बाद हुई प्रगति की जानकारी देते हुए राज्य में कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में नये सुझाव भी रखे।

चर्चा के दौरान सीओएआई ने सभी नये बिल्डिंग प्लान में ऑप्टिकल फाइबर केबल लगाये जाने को आवश्यक बनाने का आग्रह किया। इस पर मुख्य सचिव ने यूडीडी सचिव से इसकी जांच करने को कहा।

उक्त बैठक में आरडीडी सचिव एएस राव, यूडीडी सचिव एमटी शेरपा, बीआरओ ख्रलानिंग डायरेक्टर एलटी कर्नल एमटी ढिल्लन, ऊर्जा विभाग के चीफ इंजीनियर जिग्मे नांग्याल, जीएमसी नगर आयुक्त एचके छेत्री, दूरसंचार क्षेत्र से बीएसएनएल के सीजीएम एके सिन्हा के अलावा अन्य उच्चाधिकारी एवं कई निजी दूरंसचार कम्पनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

खेलो इंडिया बॉक्सिंग सेन्टर व तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 30 मई । जिले के मांगशिला में खेलो इंडिया बॉक्सिंग सेन्टर और मंगन स्कूल में तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र का आज उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे क्रमश: जोंगू विधायक पिंछो नामग्याल लेख्रचा और राज्य के खेल व युवा मामलों के सचिव राजू बस्नेत ने इनका उद्घाटन किया।

समारोह में मंगन डीसी, एसवाईए विभाग निदेशक, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक, मंगन बीडीओ, शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव के अलावा एसवाईए विभाग के कर्मचारी, कोच, खिलाड़ी एवं शिक्षण संस्थानों के प्रिंसिपल, हेडमास्टर एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

यहां अपने वक्तव्य में विधायक लेख्रचा ने जिले में खेल तथा शारीरिक फिटनेस के विकास हेतु खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम तथा खेल व युवा मामलों के विभाग के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान विद्यार्थियों से बात करते हुए उन्होंने इन प्रशिक्षण केंद्रों का पूरा लाभ उठाते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिये तैयारी करने को कहा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बॉक्सिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु मांगशिला अमेच्योर बॉक्सिंग क्लब की प्रशंसा की।

इस दौरान खेल व युवा मामलों के सचिव राजू बस्नेत ने इन प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के लिये विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए इस

दिशा में अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वहीं कार्यक्रम के दौरान बॉक्सिंग बाउट, तीरंदाजी का प्रदर्शन भी किया गया और प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों का परिचय करवाया गया। इसके अलावा इस अवसर पर अंडर-25 सिक्किम क्रिकेट टीम के सदस्य रॉबिन लिम्बू को प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में मंगन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल और मांगशिला गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग परम्परागत नृत्य भी पेश किया।

पीएचडी की छात्रा छिरिंग ल्हामू शेरपा को सर्वश्रेष्ठ एग्री बिजनेस आइडिया स्टूडेंट अवार्ड

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 30 मई । मेघायल के यूएमआईएएम में गत 26 एवं 27 मई को आयोजित एग्रीपैक्ट 2022 एनईएच रीजन के राष्ट्रीय सम्मेलन में सिक्किम विश्वविद्यालय की पीएचडी की छात्रा छिरिंग ल्हामू शेरपा को सर्वश्रेष्ठ एग्री बिजनेस आइडिया स्टूडेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नामची के मनिराम भंजांग की रहने वाली छिरिंग शेरपा बागवानी विभाग में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

शेरपा ने हिमाचल प्रदेश के अभिलाष यूनीवर्सिटी से अपनी अंडर ग्रेजुएट की पढ़ाई पूरी की है। बागवानी विभाग के पोस्ट ग्रेजुएट करने के बाद वह वर्तमान में डॉ. नीलाद्री बाग की देखरेख में पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बागवानी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुजाता उपाध्याय ने उन्हें उच्च शिक्षा हेतु बागवानी का चुनाव करने के लिये प्रेरित किया।

गौरतलब है कि छिरिंग शेरपा ने हाल ही में माइक्रो ग्रीन्स उगाना आरम्भ किया है। पोषक तत्वों से भरपूर माइक्रो ग्रीन्स को हर कोई खा सकता है और इससे सामान्य पत्तेदार सब्जियों की तुलना में तीन गुना अधिक पोषण प्राप्त होता है। इसके लिये छिरिंग महाराष्ट्र से बीज मंगवाती हैं जो काफी महंगा है। ऐसे में उन्होंने इलाके के कई होटलों एवं रेस्तरां से अपने मेनू में इन माइक्रो ग्रीन्स को शामिल करने का आग्रह किया है।

उनकी इस पहल पर वर्तमान में दो रेस्तरां-द कॉफी शॉप और लोकल कैफे-अपने मेनू में माइक्रो

ग्रीन्स को शामिल कर ग्राहकों को उसे परोस रहे हैं। तादोंग बाजार में माइक्रो ग्रीन्स के 100 ग्राम के पैकेट उपलब्ध हैं, जिन्हें वहां से खरीदा जा सकता है। छिरिंग की योजना जिम तथा योग केंद्रों में भी अपने उत्पादों को प्रस्तुत करने की है। निकट भविष्य में वह एमजी मार्ग में अपना एक स्टॉल भी स्थापित करने वाली हैं।

सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो. अनिवाश खरे ने छिरिंग शेरपा को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

भागोप्रमो के चार उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

अनुगामिनी नि.सं.

कालम्पोंग, 30 मई । भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा के चार उम्मीदवारों ने आज कालिम्पोंग जिले से जीटीए चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। आज पार्टी कार्यालय से समर्थकों के साथ चार उम्मीदवार जिला कार्यालय परिसर पहुंचे और नामांकन दाखिल किया। पेडोंग से कमल सुब्बा, गोरुबथान समष्टि से रतन थापा, जलढाका टोडे समष्टि (45) से लाक्पा नामग्याल भूटिया एवं छिबो टाशीडिंग (33) समष्टि से सामाजिक कार्यकर्ता सिनोरा नामचू ने नामांकन दाखिल किया है।

वहीं दूसरी ओर आज भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा के आज और पांच उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की।

पार्टी कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार सम्मलेन में पार्टी नेता विनय घीसिंग ने 34 नम्बर होम्स भालुखोप समष्टि से एसयूएमआई स्कूल के पूर्व प्राचार्य नवरत्न प्रधान, 38 लाभा लिंगसे समष्टि से शिक्षक

मिलन प्रधान, 39 रंगपो मन्सोंग समष्टि से दिपेन शेरपा, 41 नंबर गितडब्लिंग निम्बोंग समष्टि से संचवीर सुब्बा एवं 44 सामसिंग कुमाई समष्टि से हर्कमान छेत्री के नामों की घोषणा की गई। ये सभी तीन तारीख को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमले अत्यंत निंदनीय : अम्बर राई

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 30 मई । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं पर आज हुए हमले को लेकर सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पर निशाना साधा है।

पार्टी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आज पोकलोक-कामरांग में हमारे कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमला कर एसकेएम पार्टी ने अपनी असमाजिक, अलोकतांत्रिक एवं असभ्य चरित्र को एक बार फिर दोहराया है। इसकी कड़ी निंदा करते हुए एसडीएफ ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एसडीएफ के प्रचार-प्रसार उपाध्यक्ष अम्बर राई ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि गत 27 मई को हुई तोड़फ़ोड़ की घटना के बाद आज फिर एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमला कर एसकेएम ने राज्य प्रशासन पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। आये दिन हो रही इस प्रकार की घटनाओं से सिक्किम प्रशासन एवं एसकेएम सरकार की कमजोरी जाहिर हो गयी है।

उनके अनुसार जब से राज्य में एसकेएम की सरकार बनी है, तब से महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं और आमलोगों के जान-माल की कोई सुरक्षा नहीं रह गयी है। आज भी पोकलोक-कामरांग में एक मृत कार्यकर्ता के घर संवेदना प्रकट करने गये हमारे कार्यकर्ताओं पर छिप कर जानलेवा हमला किया गया।

एसडीएफ प्रवक्ता के अनुसार राज्य में पहले से ही हिंसक घटनाएं

और असुरक्षा की भावना व्याप्त हैं। लेकिन प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र पोकलोक-कामरांग में ही जब जनता की कोई सुरक्षा नहीं है, तब राज्य के दूसरे स्थानों में आमलोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह काफी गम्भीर स्थिति है।

उन्होंने सवाल किया कि कहीं इस दंगे-फसाद में राज्य सरकार के नेतृत्व का तो हाथ नहीं है? उन्होंने कहा, राज्यवासियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है तो सरकार चुप क्यों है? सरकार जब अपनी

■ शेष पृष्ठ ०३ पर

जाति देखकर हो रही कुलपतियों की नियुक्ति, सदन के बाद सड़क से भी अखिलेश का योगी सरकार पर हमला

लखनऊ, 30 मई (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सदन से लेकर सड़क तक योगी सरकार पर कई हमले किये। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान सरकार को घेरने के बाद बाहर आने पर अखिलेश ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जाति देखकर यूपी में कुलपतियों की नियुक्ति हो रही है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। आम लोगों से जुड़े मामलों पर जवाब नहीं दिया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब बजट बढ़ा है तो सरकार को विभागों में भी खर्च ज्यादा करना चाहिए। बिजली भी लगातार महंगी होती जा रही है। बिजली विभाग आज फिर 70,000 करोड़ रुपए के घाटे में पहुंच गया है। योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति जाति के आधार पर हो रही है। इन सब सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए।

इससे पहले विधानसभा में अखिलेश यादव ने वित्त मंत्री से सवाल पूछते हुए कहा कि अयोध्या में किसानों के साथ कुछ अच्छा नहीं हुआ। सपा सरकार किसानों के लिए बहुत काम किया है। सपा सरकार में सर्किल रेट बढ़ाए गए थे। सर्किल रेट बढ़ा होता तो किसानों से जल्दी जमीन मिलती। किसानों को धान की कीमत क्यों नहीं दिला पाई सरकार? सरकार बताएं कितने किसानों को धान की कीमत मिली।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह बजट नहीं बंटवारा है। अखिलेश ने कहा कि बिजली विभाग के बजट में कोई ग्रोथ नहीं है। सड़कों पर काम नहीं हो रहा है। सड़कों के लिए केंद्र पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं। इटावा और फिरोजाबाद कारोबार के लिए कितना बजट है? आगरा के लेटेस्ट प्रोडक्ट के लिए कितना बजट रखा? अखिलेश ने कहा कुशीनगर को हमारी सरकार ने हवाई अड्डे के लिए बजट दिया था। अयोध्या का एयरपोर्ट अभी तक नहीं बना। अखिलेश ने कहा कि अगर जिलों में एयरपोर्ट बन जाते तो आज बाहर से आने वालों को लखनऊ में नहीं उतरना पड़ता।

अखिलेश यादव ने विधानसभा में बजट को लेकर कई सवाल खड़े किए। अखिलेश यादव ने कहा कि विभाग के खर्च करने की कैपेसिटी कितनी है? आपकी स्मार्ट सिटी का क्या हुआ? सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए क्या किया? स्वच्छ भारत का सपना दिखाया और शहरों में गंदगी की भरमार है। अखिलेश ने कहा कि युमना नदी, काली नदी, गंगा नदी के लिए क्या किया। हमारी सरकार ने वरुणा नदी के लिए काम किया।

रांची शहर में व्यवसायी को अपराधियों ने गोलियों से भूना, लोगों में गुस्सा

रांची, 30 मई (एजेंसी)। रांची के जाने-माने व्यवसायी कमल भूषण पर सोमवार दोपहर अपराधियों ने शहर के उपहार सिनेमा कॉम्प्लेक्स के पास गोलियों की बौछार कर दी। उन्होंने थोड़ी देर बाद ही अस्पताल में दम तोड़ दिया।

शहर के व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हुई इस वारदात को लेकर व्यवसायी के परिजनों और उनके करीबियों में भारी गुस्सा है। घटना की जानकारी मिलते ही रांची के एसएसपी एसके झा और सिटी एसपी अंशुमन सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने दावा किया है कि हत्यारे जल्द पकड़े जायेंगे।

रांची के मधुकम इलाके के रहने वाले कमल भूषण जमीन और प्रॉपर्टी के साथ-साथ कई अन्य कारोबार से जुड़े हुए थे। वह भूषण एसोसिएट्स नामक कंपनी चलाते थे।बताया गया कि वह सोमवार अपनी कार से दोपहर देवी मंडप रोड में किसी से मिलने जा रहे थे, तभी बाइक सवार दो अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाते हुए पांच गोलियां चलायीं। कमल भूषण ने भी अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर गोली चलानी चाही, लेकिन वह कार में ही गिर गयी। उन्हें तत्काल देवकमल हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन इलाज शुरू होने के पहले ही उनकी मौत हो गयी। बाद में उनका शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स ले जाया गया। इधर अपराधी दूसरे की स्कूटी लेकर मौका ए वारदात से फरार हो गये।

कुछ दिन पहले ही कमल भूषण की बेटी और दामाद पर गोलियां चली थीं। तब बेटी ने पिता कमल भूषण पर ही जानलेवा हमले का आरोप लगाया था। बेटी का कहना था कि अंतरजातीय विवाह करने की वजह से नाराज पिता उसकी और उसके पति की जान लेना चाहते हैं। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे जमीन-जायदाद या आपसी विवाद हो सकता है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जायेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

घटना के बाद कारोबारी कमल भूषण के सैकड़ों परिचित रिम्स पहुंचे और आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। मृतक के बेटे पवन आर्यन ने आरोप लगाया है कि राहुल कुजूर नामक शख्स ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

इधर घटना के बाद भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी भी रिम्स पहुंचे। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है। अपराधी दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दे रहे हैं। शासन तंत्र इनसे बेपरवाह है।

'यह साजिश थी, जांच होनी चाहिए', खुद पर काली स्याही फेंके जाने के बाद बोले राकेश टिकैत

बेंगलुरु, 30 मई (एजेंसी)। कर्नाटक मे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा और किसान नेता राकेश टिकैत पर स्याही फेंके जाने के बाद उन्होंने कहा कि यह साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए। टिकैत ने कहा, हम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे तभी कुछ लोग आए और माइक उठाकर हमें मारने लगे। यह कर्नाटक सरकार की विफलता है। बता दें कि टिकैत के समर्थकों ने स्याही फेंकने वाले शख्स को पकड़ लिया था। इसके बाद कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ।

बता दें कि घटना का वीडियो भी सामने आया है। राकेश टिकैत के समर्थकों और हमला करने वालों के बीच जमकर कुर्सियां चलीं। वहीं वीडियो में ऐसा लगता है कि एक शख्स 'मोदी-मोदी' के नारे भी लगा रहा था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है। पहले एक शख्स ने माइक से हमला किया। लोग उसको हटाकर ले जाने लगे तबतक दूसरे ने आकर काली स्याही राकेश टिकैत के चेहरे पर डाल दी।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस राकेश टिकैत ने निरस्त किए गए कानूनों के खिलाफ उनके एक स्टिंग ऑपरेशन के बारे में बताने के लिए बुलाई गई थी।

आरोप है कि एक किसान नेता पैसे मांगते हुए पकड़ा गया था। राकेश टिकैत का आरोप है कि उन्हें कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा नहीं उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने कहा कि सरकार की मिलीभगत से यह हमला करवाया गया है।

राकेश टिकैत पर लगभग एक साल पहले भी स्याही फेंकी गई थी। अलवर जिले के ततरपुर चौराहे के पास उनकी गाड़ी स्वागत करने के बहाने से रुकवाई गई और उनपर हमला कर दिया गया।

इसके बाद टिकैत पर स्याही भी फेंक दी गई थी। उनकी कार के शीशे तोड़ दिए गए थे। राकेश टिकैत ने भाजपा पर हमले का आरोप लगाया था।

वाराणसी में कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और मुकदमे का विरोध, सपा का विप से वाकआउट

लखनऊ, 30 मई (एजेंसी)। वाराणसी में सपा कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और मुकदमे का मामला विधानपरिषद में उठा। सपा ने कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए विधान परिषद से वाकआउट किया। वाराणसी में आठ मार्च को मतगणना स्थल से बाहर जा रही गाड़ियों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) बरामद किए जाने को लेकर सपा ने प्रदर्शन किया था। इसी के बाद कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी हुई थी।

शून्यकाल के दौरान सपा सदस्यों ने वाराणसी में मतगणना परिसर के बाहर जा रही एक गाड़ी से ईवीएम बरामद किए जाने का विरोध करने वाले सपा कार्यकर्ताओं और कुछ आम लोगों का पुलिस द्वारा उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाते हुए मामला उठाया।

सपा सदस्य नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि वाराणसी में विधानसभा चुनाव के बाद आठ मार्च की शाम पहड़िया मंडी स्थित मतगणना केंद्र से एक-एक कर तीन गाड़ियां जा रही थीं। शक होने पर सपा कार्यकर्ताओं ने तीसरी गाड़ी को रोककर देखा तो उसमें ईवीएम रखी थी। इससे सपा कार्यकर्ता भड़क गए।

पटेल ने कहा कि जब यह मामला सोशल मीडिया पर छाया तो जगह-जगह लोग इसके खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने लगे। चुनाव परिणाम आने के बाद 11 मार्च को सरकार ने दो मुकदमे दर्ज कराए। जब कार्यकर्ता अदालत से अंतरिम जमानत पर छूट गए तो पुलिस ने उन पर और गंभीर धाराएं लगाकर दोबारा जेल भेज दिया।

सपा नेता ने आरोप लगाया कि इस मामले में चुनाव आयोग ने अपर जिलाधिकारी को निलंबित भी किया था, जिससे यह प्रतीत होता है कि सरकार के इशारे पर जिले के अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में घोर अनियमितताएं बरतीं।

उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी के निलंबन के बावजूद पुलिस बिना किसी साक्ष्य के अब भी सपा के लोगों को गिरफ्तार कर रही है, जिससे प्रदेश के नागरिकों में सरकार के प्रति रोष है, इसलिए जनहित के इस विषय पर सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा कराई जाए। सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा और मान सिंह यादव ने सूचना की ग्राह्यता पर बल दिया।

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव होने के लिए मतदान समाप्त होने के बाद शासन ने सूचना जारी कर कहा था कि अगर किसी प्रत्याशी को आशंका है कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी की जा सकती है तो वह मतगणना केंद्र के सामने निगरानी के लिए बैठ सकता है। उन्होंने कहा कि इसी आदेश के आधार पर वाराणसी में सपा कार्यकर्ता ईवीएम की निगरानी कर रहे थे।

यादव ने कहा कि यह भी स्पष्ट आदेश है कि अगर ईवीएम को कहीं ले जाया जा रहा है तो इसकी सूचना सभी प्रत्याशियों को दी जाएगी। वाराणसी के मंडलायुक्त ने खुद स्वीकार किया कि बिना प्रत्याशियों को सूचित किए ईवीएम निकाला जाना गलत है।

उन्होंने कहा कि उस समय ईवीएम की सुरक्षा के प्रभारी रहे अपर जिलाधिकारी को चुनाव आयोग ने निलंबित भी कर दिया था। ऐसे में मैं पूछना चाहता हूं कि सपा कार्यकर्ताओं का क्या दोष था, जो उन पर मुकदमे दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। इस समय सपा के 28 कार्यकर्ता इस मामले में जेल में बंद हैं।

नेता सदन स्वतंत्र देव सिंह ने इसका जवाब देते हुए कहा कि सपा को लग रहा था कि वह सत्ता में आ रहे है। सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी तक की गाड़ी रोककर उनकी तलाशी ले रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा सदस्यों ने वाराणसी की जिस घटना का जिक्र किया है, उसमें वाहन द्वारा कुछ ईवीएम मशीनों को ले जाया जा रहा था, जिस पर मतगणना स्थल पर उपस्थित विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने वाहन को रोककर उसमें ईवीएम ले जाए जाने पर आपत्ति जताते हुए विरोध-प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस प्रदर्शन को सोशल मीडिया पर प्रसारित करके लोगों को मतगणना स्थल तक आने के लिए उकसाया जाने लगा।

सिंह ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप शहर के संवेदनशील इलाकों में विभिन्न स्थानों पर जाम लगाकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। जैतपुरा थाना क्षेत्र में गोलगड्डा तिराहे पर प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से पथराव किया गया और उन पर कांच की बोतलें भी फेंकी गईं। घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

उन्होंने कहा कि मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। सिंह के मुताबिक, मतगणना स्थल के बाहर अत्यधिक संख्या में प्रदर्शनकारियों के एकत्रित हो जाने से कानून-व्यवस्था की अत्यंत गंभीर स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने कहा कि वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक के वाहन पर पथराव किया गया, जिससे उनके वाहन चालक हेड कांस्टेबल लालता प्रसाद यादव को गंभीर चोटें आईं।

सिंह ने बताया कि वाहन में मिली ईवीएम की पड़ताल की गई, जिसके बाद स्पष्ट किया गया कि वे मशीनें प्रशिक्षण के उद्देश्य से ले जाई जा रही थीं, जिनका निर्वाचन प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं था। सिंह ने स्पष्ट किया कि उपद्रव के मामलों में दर्ज मुकदमों में किसी पार्टी विशेष के कार्यकर्ताओं को निशाना नहीं बनाया जा रहा है, बल्कि शामिल उपद्रवियों की गिरफ्तारी साक्ष्यों के आधार पर हो रही है।

इस पर सपा सदस्य नरेश उत्तम पटेल ने नेता सदन पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसके बाद सपा के सभी सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। बाद में सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कार्य स्थगन की सूचना को अस्वीकार कर दिया।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड: दिल्ली से लेकर पंजाब तक विरोध, केजरीवाल के घर पर कांग्रेस का प्रदर्शन तेज

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसी)। पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली से लेकर पंजाब तक कांग्रेस नेता विरोध कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली स्थित अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर नारेबाजी की सूचना है, वहीं चंडीगढ़ में भी विरोध प्रदर्शन जारी है।

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के विरोध में दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आप के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर घेराव किया। कांग्रेस नेता पंजाब की आप सरकार को मूसेवाला की हत्या का जिम्मेदार मान रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के आधिकारिक आवास का घेराव करने का प्रयास किया। उन्होंने पंजाब सीएम से इस्तीफे की मांग की। दिल्ली पुलिस ने बेरिकेड लगा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक लिया।

कांग्रेस नेता अनिल भारद्वाज ने रोष प्रकट करते हुए सवाल किया, पंजाब सरकार ने किस आकलन पर मूसेवाला की सुरक्षा हटाई?

भारद्वाज ने कहा, इनकी पार्टी के नेताओं को भारी सुरक्षा दी हुई है लेकिन आम इंसान को पंजाब में खतरा हो गया है। पंजाब की कानून व्यवस्था हर दिन बिगड़ रही है। पंजाब सीएम को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

एक अन्य कांग्रेस नेता परवेज आलम ने कहा, पंजाब सीएम भगवत मान के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए, क्यूंकि मूसेवाला कि हत्या कि जिम्मेदारी उन्हीं की है। पंजाब में जंगल राज बना रखा है, आए दिन लोगों की हत्याएं हो रही हैं। मूसेवाला एक बड़ा कलाकार था, पंजाब के तमाम युवा उन्हें पसंद करते थे, लेकिन उनकी हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा, आज हम केजरीवाल जी से पूछने आए हैं और जवाब मांगने आए हैं।

इसके अलावा पंजाब में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा आज सोमवार को सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है।

इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय के जारी बयानके मुताबिक, ''पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा कम करने के फैसले की जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने डीजीपी के कल के बयान पर भी सफाई मांगी है। राज्य सरकार जांच में पूरा सहयोग करेगी, किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।''

पंजाब पुलिस ने मूसेवाला की हत्या के बारे में कहा है, सिद्धू की हत्या गैंगवार में हुई है। सिद्धू की सुरक्षा कम जरूर की गई थी, हटाई कतई नहीं गई थी। सरकारी सुरक्षा के अलावा सिद्धू का अपना निजी सुरक्षा दस्ता भी था। वह घर से जब भी निकलते थे, बुलेटप्रूफ कार में ही सवार होते थे।

अमित मालवीय ने राज्यसभा नामांकन को लेकर कांग्रेस पर कसा तंज, कहा- गांधी परिवार अपनी मंडली से आगे नहीं देख सकता

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसी)। भाजपा ने सोमवार को राज्यसभा के लिए नामांकन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गांधी परिवार अपनी मंडली से आगे नहीं देख सकता।

भाजपा ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए स्थानीय लोगों को नामांकन का मौका देने से इनकार करके अपनी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र इकाइयों को निराश किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने ट्वीट किया, 'कांग्रेस ने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र इकाइयों को राज्यसभा के लिए स्थानीय लोगों के नामांकन से इनकार करके निराश किया है। गांधी परिवार अपनी मंडली से आगे नहीं देख सकता।'

मालवीय ने आगे कहा कि कांग्रेस को राजस्थान से राज्यसभा में प्रतिनिधित्व करने के लिए एक भी सक्षम व्यक्ति नहीं मिला। क्या अशोक गहलोत ने राजस्थान के हित को गांधी परिवार के लिए गिरवी रख दिया है, ताकि वह मुख्यमंत्री बने रह सके, यह राजस्थान के लोगों का अपमान है।

राज्यसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनावी राज्यों में भी असंतोष बढ़ गया है, क्योंकि पार्टी ने नामांकन के लिए बाहरी व्यक्तियों को चुना है।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन को उम्मीदवार बनाया है। महाराष्ट्र से इमरान प्रतापगढ़ी को मैदान में उतारा है, जबकि राजस्थान से मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी को टिकट दिया गया है।

राज्यसभा की 57 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 10 जून को 15 राज्यों में होंगे।

मुठभेड़ में पुलिसकर्मी का हत्यारा आतंकी ढेर

श्रीनगर, 30 मई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में एक आतंकवाद रोधी अभियान में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादियों को मार गिराया है, जिसमें पुलिसकर्मी रियाज अहमद का हत्यारा भी शामिल है।

अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, 'कल (रविवार) शाम लगभग 5.45 बजे, पुलवामा के गांव गुंडीपोरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में कुलगाम पुलिस को मिले एक विशिष्ट इनपुट पर, पुलवामा पुलिस, सेना (55आरआर) और सीआरपीएफ (182/183बटालियन) द्वारा उक्त क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था।'

तलाशी अभियान के दौरान, जैसे ही संयुक्त तलाशी दल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ा, नजीर अहमद मीर के घर में छिपे आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसकी जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हुई।

पुलिस ने कहा कि अंधेरे के कारण किसी भी तरह के नुकसान से बचने के लिए रात के समय अभियान रोक दिया गया और सोमवार तड़के अभियान फिर से शुरू किया गया।

इस मुठभेड़ में मोंगामा पुलवामा निवासी आबिद हुसैन शाह और प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अश्मीपोरा शोपियां निवासी साकिब आजाद सोफी के रूप में पहचाने गए दो आतंकवादी मारे गए।

मुठभेड़ स्थल से दो एके राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री के साथ उनके शव बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने कहा, 'पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों को आतंकवादियों की श्रेणी में रखा गया था और वे पुलिस/एसएफ और नागरिक अत्याचारों पर हमलों सहित कई आतंकवादी अपराध मामलों में शामिल समूहों का हिस्सा थे। मारा गया आतंकवादी आबिद शाह हाल ही में 13 मई, 2022 को पुलवामा के गद्रा इलाके में अपने आवासीय घर में निहत्थे पुलिसकर्मी कांस्टेबल रियाज अहमद की हत्या में शामिल था।'

आईजीपी (कश्मीर), विजय कुमार ने संयुक्त बलों को बिना किसी क्षति के पेशेवर तरीके से आतंकवाद रोधी अभियान चलाने के लिए बधाई दी। उन्होंने पुलवामा में हाल ही में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल आतंकवादियों पर नजर रखने और उन्हें बेअसर करने के साथ ढेर करने के लिए संयुक्त टीम की सराहना भी की।

मीडिया से बातचीत करते हुए, आईजीपी कश्मीर ने कहा कि पुलिस युवाओं को हथियार उठाने से रोकने में काफी हद तक सफल रही है और स्थानीय आतंकवादी भर्ती को रोकने के लिए बहुआयामी मोर्चे पर काम कर रही है।

युवा लड़कों को आतंकवाद की ओर प्रेरित करने और लुभाने वालों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तकनीकी निगरानी के माध्यम से नई भर्तियों (आतंक का रास्ता अपनाने वाले युवा) को भी ट्रैक कर रहे हैं और उन्हें मुख्यधारा में वापस ला रहे हैं।

आर्यन खान को जेल भेजने वाले समीर वानखेड़े का ट्रांसफर

मुंबई, 30 मई (एजेंसी)। क्रूज ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार करने वाले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अधिकारी समीर वानखेड़े का चेन्नई ट्रांसफर कर दिया गया है।

ऑर्डर के मुताबिक समीर वानखेड़े को विश्लेषिकी और जोखिम प्रबंधन महानिदेशालय मुंबई से डायरेक्टर जनरल ऑफ टैक्सपेयर्स सर्विस चेन्नई भेजा गया है। पिछले दिनों मामले पर सुनवाई कर रही एनडीपीएस कोर्ट ने आर्यन खान को इस मामले में क्लीन चिट दे दी थी जिसके बाद से समीर वानखेड़े पर सवाल खड़े हो रहे थे।

पीएम मोदी आज जारी करेंगे किसान सम्मान योजना की 11वीं किस्त

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को 31 मई को हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से देश के किसानों को किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद भी करेंगे।

इस संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय योजनाओं के कुछ लाभार्थी भी सीधे जुड़ेंगे। पीएम मोदी ने खुद सोमवार को एक ट्वीट के जरिए इसके बारे में बताया है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम-किसान योजना के तहत 31 मई को करीबन 10 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में पैसे ट्रांसफर करेंगे।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि कल 31 मई को 'गरीब कल्याण सम्मेलन' में भाग लेने के लिए शिमला में रहूंगा। यह एक विशेष पहल है जो लोगों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच संबंध को गहरा करती है। इस दौरान पीएम किसान की 11वीं किस्त भी जारी की जाएगी।

इससे पहले कृषि मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हिमाचल प्रदेश के शिमला में पीएम किसान योजना की 11वीं किस्त जारी करेंगे। वह गरीब कल्याण सम्मेलन के एक हिस्से के तौर पर केंद्र सरकार की 16 योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लाभान्वित होने वाले लोगों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संवाद भी करेंगे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11वीं किस्त में सरकार 21000 करोड़ रुपये को जारी करेगी।

पीएम-किसान योजना के लाभार्थी किसानों को 6000 रुपये सालाना वित्तीय सहायता दी जाती है। सरकार इसे 2000 रुपये की तीन समान किस्तों में देती है। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी जिन प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे, उनमें पीएम आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, एक देश एक राशनकार्ड, पीएम मातृ वंदना योजना, स्वच्छ भारत अभियान व जल जीवन मिशन शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के आठ साल पूरे होने पर यह प्रमुख कार्यक्रम हो रहा है। चूंकि हिमाचल प्रदेश में इस साल के आखिर में चुनाव है, ऐसे में शिमला में कार्यक्रम किए जाने का अपना राजनीतिक महत्व भी है। इस दौरान शिमला के रिज मैदान में मोदी एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

यूपीएससी में बजा बिहार का डंका, मधेपुरा की अंकिता सेकेंड टॉपर

पटना, 30 मई (का.सं.)। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में एक बार फिर बिहारी छात्र-छात्राओं ने परचम लहराया है। सोमवार को जारी रिजल्ट में मधेपुरा के बिहारीगंज की अंकिता अग्रवाल ने देश में दूसरा स्थान पाया है। देशभर में इस बार पहले तीन स्थानों पर लड़कियों ने कब्जा जमाया है।

पिछले साल यूपीएससी टॉपर बिहार के शुभम थे। पिछले साल यूपीएससी रिजल्ट के टॉप 10 में बिहार से तीन अभ्यर्थी थे। इस बार टॉप टेन में जगह बनाने में अंकिता ही कामयाब हो पाई हैं। अंकिता का परिवार अभी कोलकाता में रहता है। अंकिता का बचपन बिहारीगंज गुदरी बाजार, पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने बीता है। प्रारंभिक शिक्षा बिहारीगंज के मॉडर्न पब्लिक स्कूल में हुई है। अंकिता के दादा मालीराम अग्रवाल और पिता मनोहर अग्रवाल का बिहारीगंज में हार्डवेयर का व्यवसाय था। बिहारीगंज के व्यवसाय को अपने रिश्तेदार (बहनोई) को सुपुर्द कर मनोहर अग्रवाल कोलकाता शिफ्ट कर गये।

मोतिहारी के पताही प्रखंड स्थित नारायणपुर गांव निवासी शुभंकर प्रत्युष पाठक को 11वां और मुंगेर की अंशु प्रिया को 16वां स्थान प्राप्त हुआ है। पटना बिस्कोमान कॉलोनी के रहने वाले आशीष (वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र के पीरापुर के मूल निवासी) ने अपने पहले प्रयास में ही 23वीं रैंक प्राप्त की है। आशीष के मौसेरे भाई गया जिले के अनिकेत ने 277वीं रैंक हासिल की है।

देर शाम तक प्राप्त सूचना के अनुसार बिहार के 22 से ज्यादा अभ्यर्थी सफल हुए हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ और छात्रों को सफलता मिली है। सारण जिले के जलालपुर के कोठ्या गांव की रहने वाली दिव्या शक्ति ने 58वीं रैंक हासिल की है। सहरसा के एमएलटी कॉलेज के प्रोफेसर की बेटी शैलजा को 83वीं रैंक मिली है। कटिहार के अमन को 88वीं रैंक मिली है। उनके पिता दुर्गा लाल अग्रवाल कटिहार के राज हाता के रहने वाले हैं। वहीं मुजफ्फरपुर के ही मीनापुर के टेंगराहां के अभिनव कुमार को 146वीं रैंक मिली है। गोपालगंज के गौरव शुक्ला को 153वीं रैंक, किशनगंज के डुमरिया मध्य विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका जूही कुमारी के बेटे राज कृष्णा को 168वीं रैंक मिली है।

मुजफ्फरपुर के मीनापुर प्रखंड के मुकसुदपुर के रहने वाले विशाल कुमार को 484वीं रैंक मिली है। विशाल के मजदूर पिता बिकाऊ प्रसाद की मौत के बाद परिवार कर्ज में डूब गया था। मैट्रिक की परीक्षा में जिला टॉपर रहे। आईआईटी कानपुर में केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद तैयारी कर रहे थे।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि पाई पांच छात्राएं भी सफल हुई हैं। मुंगेर की अंशु प्रिया को 16वीं, सहरसा की शैलजा को 83वीं, मुजफ्फरपुर की शिवानी को 122वीं, पटना की प्रिया रानी को 284वीं, कैमूर की साक्षी कुमारी को 330वीं रैंक मिली है। महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध निदेशक हरजोत कौर ने बताया कुल 22 छात्राओं को एक-एक लाख रुपये दिए गए थे। इसमें से पांच ने सफलता हासिल की है।

औरंगाबाद की शुभ्रा शर्मा ने 197वीं रैंक हासिल की है। मोहनिया की साक्षी कुमारी ने 330वीं रैंक प्राप्त की है। नवादा के आलोक रंजन को 346वां स्थान मिला है। वे रोह प्रखंड के गोरिहारी गांव के रहने वाले हैं। वहीं, रोहतास जिले के अमन आकाश ने यूपीएससी में 360वां स्थान प्राप्त किया है। बिक्रमगंज के शांति नगर मुहल्ला के निवासी अमन ने एमपी में एसबीआई में मैनेजर पद पर कार्यरत रहते हुए यह रैंक हासिल की है। औरंगाबाद के अंकित सिन्हा को 472वां रैंक मिला है।

सत्येंद्र जैन पर बड़ी कार्रवाई, ईडी ने किया गिरफ्तार

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 मई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को हवाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की इस कार्रवाई से दिल्ली की केजरीवाल सरकार का बड़ा झटका लगा है। उनपर फर्जी कंपनियों के जरिए लेन-देन करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक जैन को पहले हिरासत में लिया गया था। ईडी ने पहले उनसे पूछताछ की और फिर गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि सत्येंद्र जैन केजरीवाल सरकार का प्रमुख चेहरा हैं। हाल ही में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई करते हुए उनके परिवार से जुड़ी संपत्ति कुर्क की थी। जांच एजेंसी ने उनसे संबंधित यह संपत्ति अकिंचन डिवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इन्फोसॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड. मंगलायतन प्रोजेक्ट्स, जेजे आइडियल एस्टेट, और जैन के परिवार के सदस्य स्वाति जैन, सुशीला जैन और इंदु जैन से अटैच की।

जैन की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास ने तंज कसते हुए ट्विटर पर लिखा, 'यह केस जब पहली बार आया था तो मैंने भरी पीएसी में सत्येंद्र जैन से जवाब माँगा था।बौने ने उसे सप्रमाण मेरे सामने रोने-धोने के लिए बिठाया।मैंने कहा निजी सम्बन्ध अपनी जगह पर इसका जवाब दो,तो आजकल पंजाब का वसूली-प्रमुख बना नया चिंटू काग़ज फैलाकर बोला सर मैं सीए हूँ, कोई गड़बड़ नहीं है।

अप्रैल में ईडी ने कहा था, पता चला है कि जब सत्येंद्र जैन एक सरकारी अधिकारी थे तब इन कंपनियों के जरिए हवाला रूट से पैसा भेजा गया। इस पैसे का इस्तेमाल दिल्ली में और आसपास जमीन खरीदने में किया गया। दिसंबर 2018 में ही ईडी ने इस मामले में चार्जशीट फाइल कर दी थी। इस साल जनवरी में आम आदमी पार्टी ने दावा किया था कि पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा बदले की भावना से सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करवा सकती है।

अधिकारियों की टीम ने किया राजमार्ग से सटे संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 30 मई। रानीपुल-पाकिम राजमार्ग के साथ संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और आगामी मानसून के दौरान जोखिमों को कम करने के लिए, प्रस्तावित कार्रवाई के लिए आज एक संयुक्त निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण का नेतृत्व एसडीएम (मुख्यालय), एसडीएम (पाकिम उप जिला), आरओ सह एडी, आरएस, रेंज अधिकारी और वन विभाग के फील्ड स्टाफ, एनएचआईडीसीएल के साइट इंजीनियरों और सलाहकारों के साथ एडीसी पाकिम जिले ने किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ क्षेत्रों/स्थलों पर मानसून की शुरुआत से पहले तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने की जरूरत है। निरीक्षण दल ने एनएचआईडीसीएल किसान स्कूल, आहो के पास डीडी छेत्री और अन्य के घर के नीचे सुरक्षात्मक दीवार और खोला में डूबी सड़क के नीचे से रिटेनिंग वॉल का निर्माण तुरंत शुरू करने, अंधेरी पुल के पास जमा कीचड़ को साफ करने अंधेरी खोला की ओर एक अस्थायी मोड़ बनाने, नई वैकल्पिक सड़क के किनारे जहां कहीं आवश्यक हो वहां सुरक्षात्मक दीवारों का निर्माण किए जाने आदि के निर्णय लिए गए।

वहीं, नई वैकल्पिक सड़क के साथ नालियों की सफाई और अनलॉगिंग और मौजूदा झोरा की ओर पानी का मोड़ एनएचआईडीसीएल द्वारा किए जाने, राजमार्ग के साथ पूरे नाले की सफाई और अनलॉगिंग और एनएचआईडीसीएल के साइट इंजीनियरों द्वारा नालियों की नियमित जांच और निगरानी, जिस स्थान पर झोरा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है, उसे सर्वोच्च प्राथमिकता देने आदि का भी निर्णय लिया गया।

बिहार में नीतीश कुमार ही अकेले बुद्धिमान नहीं : प्रशांत किशोर

वैशाली, 30 मई (का.सं.)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक सह चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला किया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार में सीएम नीतीश कुमार ही अकेले बुद्धिमान नहीं हैं, यहां और भी लोग बुद्धिमान हैं। बिहार के विकास के लिए उन्हें सबसे सहयोग लेकर काम करना चाहिए। प्रशांत किशोर जनता की नब्ज टटोलने के क्रम में सोमवार को वैशाली जिले के महनार में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने आए थे।

बता दें कि प्रशांत किशोर ने अपनी जनसुराज यात्रा का आगाज रविवार को लोकतंत्र की आदि भूमि वैशाली जिले से की। प्रशांत किशोर ने कहा कि वो अगले 4 दिनों तक वैशाली जिले के अलग-अलग गांवों और प्रखंडों में लगभग 40 जगहों पर जाएंगे। गांव के लोगों से मिलेंगे। जनसुराज की सोच के बारे में बताएंगे। इस दौरान हर दिन जनसुराज की सोच पर लोगों के बीच सीधा संवाद करेंगे। पहले दिन महनार के गावों में जाएंगे। इसी तरह अगले चार दिनों तक जिले के विभिन्न अलग-अलग लगभग 40 स्थानों पर जन सुराज के तहत लोगों के बीच संवाद कार्यक्रम करेंगे।

उन्होंने कहा कि जन सुराज की सोच को लोगों तक पहुंचाने और बताने के लिए पदयात्रा 12 से 15 महीने तक गांवों में पदयात्रा करेंगे। इस बीच पटना या दिल्ली नहीं जाऊंगा। बिहार के विकास के लिए सही लोग, सही सोच और सामूहिक प्रयास पर बल देते हुए कहा 2 अक्टूबर से जब पदयात्रा शुरू करेंगे, तो उसे बिना पूरा किए

वापस पटना या दिल्ली नहीं लौटेंगे। उनका मानना है कि इस पदयात्रा में 12-15 महीने का समय लगेगा। इसके बाद लोगों के साथ बैठकर बिहार की समस्याओं और उसके समाधान का एक ब्लूप्रिंट जारी करेंगे। प्रशांत किशोर ने युवाओं पर जोर देते हुए कहा कि बिहार के युवाओं की राजनीति में बहुत ज्यादा दिलचस्पी होती है। मैं ऐसे युवाओं को एकजुट कर सबको एक मंच पर लाना चाहता हूं।

आशीष मिश्रा जेल में ही रहेगा, जमानत पर सुनवाई जुलाई तक टली

लखनऊ, 30 मई (एजेन्सी)। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सोमवार को लखीमपुर खीरी कांड के मुख्य आरोपी केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका का विरोध करते हुए, वादी पक्ष की ओर से दलील दी गई कि मामले में जांच के बाद कुछ धाराएं बढ़ा दी गई थीं, बढ़र हुई धाराओं में जमानत अर्जी बिना सत्र अदालत में दाखिल किए, अभियुक्त ने सीधा हाईकोर्ट में वर्तमान याचिका दाखिल कर दी है।

हालांकि अभियुक्त की ओर से इस आपत्ति का विरोध करते हुए कहा गया कि सीआरपीसी की धारा 439 में जमानत के सम्बंध में सत्र अदालत व उच्च न्यायालय को समान अधिकार प्राप्त हैं। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए 8 जुलाई की तिथि नियत की है। मामले में अगली सुनवाई पर भी बहस जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकल पीठ ने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की जमानत याचिका पर पारित किया। उल्लेखनीय है कि 10 फरवरी को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने आशीष मिश्रा की याचिका को मंजूर करते हुए, उसे जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। बाद में जमानत मंजूर किए जाने के इस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष मामले के वादी पक्ष ने चुनौती दी थी।

इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने 10 फरवरी के आदेश को निरस्त करते हुए, वादी पक्ष को सुनवाई का पर्याप्त अवसर देते हुए, मामले को दोबारा सुने जाने का निर्देश हाईकोर्ट को दिया था।

यूपीएससी टॉपर श्रुति शर्मा ने कहा- टॉप करने की नहीं थी उम्मीद

नई दिल्ली, 30 मई (एजेन्सी)। सिविल सर्विसेस 2021 के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। यूपीएससी की इस परीक्षा में श्रुति शर्मा ने टॉप किया है।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती इस कहावत को यूपीएससी टॉपर श्रुति शर्मा ने चरितार्थ करके दिखाया है। कम ही लोगों को मालूम होगा कि इस वर्ष टॉपर बनी श्रुति शर्मा पिछले वर्ष यूपीएससी के अपने प्रयास में सफल नहीं हो सकी थी। बावजूद इसके वह निराश नहीं हुई। श्रुति के मुताबिक इस कामयाबी में जामिया स्थित आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) से उन्हें बड़ा सहारा मिला।

वहीं जामिया आरसीए के लिए भी यह गर्व का क्षण है। जहां गौरतलब है कि आरसीए के कुल 23 छात्र इस वर्ष यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने में कामयाब रहे हैं। इनके अलावा जामिया की एक अन्य छात्रा महक जैन ने यूपीएससी सिविल सेवा में रैंक 17वां रैंक हासिल किया है। वह जामिया के राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया में एमए लोक प्रशासन की छात्रा थीं।

यूपीएससी टॉपर श्रुति ने बताया कि जामिया आरसीए से कुछ ही मिनटों की दूरी पर दक्षिण दिल्ली में ही उनका घर है। बावजूद इसके उन्होंने उन्होंने घर छोड़कर जामिया की कोचिंग सेंटर में 2 वर्ष तक एकाग्रता से पढ़ाई की। श्रुति अपनी इस कामयाबी के लिए आरसीए की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण मानती हैं। यहां उन्हें उन खामियों का पता लग सका जिसके कारण वह अपने पिछले प्रयास में यूपीएससी पास नहीं कर सकी।

श्रुति शर्मा ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा कि, टॉप करने की उम्मीद नहीं थी, बस इतना था की क्लियर हो जाएगा। लेकिन अब खुश हूं और एक राहत भी है कि पढ़ाई पूरी हुई क्यूंकि सिलेबस भी बहुत ज्यादा रहा और लगातार पढ़ाई करती रही और पढ़ाई करते वक्त समय नहीं देखा। अब मौका मिला है तो खुश हूं कि अब देश कि सेवा करूंगी। मैंने इस बार दूसरी कोशिश कि, क्योंकि पिछली कोशिश में फॉर्म गलत भर जाने के कारण मुझे हिंदी में पेपर देना पड़ा, जिसमें एक नंबर से मैं पीछे रह गई थी। इस बार अंग्रेजी में पेपर लिखा और क्लियर हो गया। पापा को जब पता लगा तो बहुत भावुक हुए और वह दिल्ली वापस आ रहे हैं, माता पिता कि खुशी देखकर ही मुझे सबसे ज्यादा खुशी हुई।

वहीं इस महत्वपूर्ण परीक्षा में अंकिता अग्रवाल नामक उम्मीदवार ने आल इंडिया सेकेंड रैंक हासिल की है। तीसरा स्थान गामिनी सिंगला को मिला है। इस साल शीर्ष तीन पदों पर लड़कियों ने बाजी मारी है। यूपीएससी परीक्षा में चौथा स्थान ऐश्वर्य वर्मा और पांचवा स्थान उत्कर्ष द्विवेदी को प्राप्त हुआ है।

लड़कियों के बाजी मारने पर श्रुति शर्मा ने कहा कि, लड़कियों को हमेशा सपोर्टिव महौल नहीं मिल पाता है, अब गांव और शहरों में माता पिता अपनी बेटियों को सहयोग देने लगे हैं। जिस वजह से लड़कियां आगे बढ़ रही हैं।

यूपीएससी टॉपर श्रुति ने दिल्ली विश्वविद्यालय सेंट स्टीफंस कॉलेज और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। यूपीएससी परीक्षा की कोचिंग उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया की आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) में ली है।

श्रुति ने जामिया के टीचरों कि तारीफ करते हुए कहा कि, जामिया में आरसीए का एक बड़ा योगदान रहा है, एक अच्छा माहौल दिया गया और एक अच्छे टीचर दिए गए। तारिक और फारुकी सर ने मुझे बताया कि किस तरह पढ़ाई करनी है।

उन्होंने यूपीएससी की तैयारी कर रहे अन्य छात्रों को संदेश देते हुए कहा कि, यदि आपका मन है, तभी आप इस परीक्षा की तैयारी करें, किसी तरह के दबाव में आकर आप पढ़ाई न करें। जब तक आप खुद तैयार नहीं है तो कुछ नहीं कर सकेंगे।

श्रुति शर्मा की मां रचना शर्मा ने भगवान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि, हमें अपनी बेटी पर यकीन था कि वह करलेगी, रात दिन उसने पढ़ाई की और आज हमें यह दिन देखने को मिला। परिवार व घर के अन्य सदस्य सभी बहुत खुश हैं। श्रुति के पापा फिलहाल दिल्ली में नहीं है, लेकिन जब से उन्हें पता लगा है, वह दिल्ली के लिए निकल गए हैं।

दरअसल यूपीएससी का यह परिणाम की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। इस बीच यूपीएससी परीक्षा का रिजल्ट जारी होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन सभी को बधाई जिन्होंने सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2021 को पास किया है। इन युवाओं को मेरी शुभकामनाएं जो भारत की विकास यात्रा के एक महत्वपूर्ण समय में तब अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत कर रहे हैं, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

जो युवा यह परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सके उनके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं उन लोगों की निराशा को पूरी तरह से समझता हूं जो सिविल सेवा परीक्षा को पास नहीं कर सके, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि ये उत्कृष्ट युवा हैं जो किसी भी क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ेंगे और भारत को गौरवान्वित करेंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।

गौरतलब है कि इन परीक्षाओं के लिए मार्च 2021 को पंजीकरण शुरू किया था। प्रारंभिक परीक्षा जून 2021 में आयोजित की गई। यह परीक्षा 712 सिविल सेवा पदों को भरने के लिए थी।

यूपीएससी सिविल सेवा के जरिए इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज (आईएएस), भारतीय पुलिस सर्विसेज (आईपीएस) और भारतीय फॉरेन सर्विसेज (आई एफ एस), रेलवे ग्रुप ए (इंडियन रेलवे अकाउंट्स सर्विस), इंडियन पोस्टल सर्विसेज, भारतीय डाक सेवा, इंडियन ट्रेड सर्विसेज सहित अन्य सेवाओं के लिए चयन किया जाता है।

राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मई। सिक्किम टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के सहयोग से बीते 27 से 29 मई तक स्थानीय पाल्जोर स्टेडियम के इंडोर हॉल में 24वें राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रविवार को संपन्न प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में राज्य के खेल व युवा मामलों के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। वहीं अर्जुन पुरस्कार विजेता जसलाल प्रधान और बागवानी सचिव बीबी सुब्बा इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

प्रतियोगिता में कैडेट्स, सब-जूनियर, जूनियर, ओपन मेन और वूमन तथा वेटरन विभागों में पुरुष व महिला वर्ग में एकल एवं डबल्स मुकाबले खेले गये। इसके समापन समारोह के दौरान मंत्री लेप्चा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं उन्होंने खेलों के विकास हेतु राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की जानकारी भी दी। अपने वक्तव्य में मंत्री ने सिक्किम टेबल टेनिस एसोसिएशन के अधिकारियों एवं सदस्यों को इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। इस दौरान सभी विजेताओं को मुख्य एवं सम्मानित अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किये।

एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर ....

प्राथमिक जिम्मेदारी भी भली-भांति पूरा नहीं कर पा रही है, तो उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

राई ने आगे कहा कि उनकी पार्टी राज्य में हत्या, हिंसा तथा असुरक्षा का वातावरण तैयार करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग करती है। वहीं एसकेएम पार्टी की इस नीच हरकत की भी तीव्र भर्त्सना करती है। उन्होंने कहा, एसडीएफ पार्टी जनता की आवाज एवं आकांक्षाओं को सरकार तक पहुंचाने एवं उनकी सुरक्षा एवं समृद्धि सुनिश्चित करने हेतु निरंतर डटी है।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR SUN MONDAY

Draw No:79 DrawDate on:30/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 82C 25167

Cons. Prize Rs.1000/- 25167 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00685 02052 11146 41077 52340 52906 68390 71503 71777 91786

3rd Prize ₹450/-

0357 3065 4144 5852 6203 9050 9121 9531 9569 9963

4th Prize ₹250/-

0068 0366 4935 6144 8560 8702 9396 9459 9633 9943

5th Prize ₹120/-

0015 0280 0340 0350 0399 0446 0558 0661 0701 0704
0726 0954 1099 1136 1140 1427 1481 1539 1541 1823
1835 1989 2082 2092 2107 2132 2429 2571 2770 2823
2885 2958 3027 3278 3380 3433 3446 3606 3625 3634
3807 3808 4067 4138 4165 4298 4335 4342 4344 4478
4500 4517 4591 4822 5136 5297 5339 5380 5418 5429
5504 5565 5633 5680 5971 6084 6115 6166 6175 6215
6220 6464 6528 6551 6679 6870 6950 7145 7499 7657
7742 7789 7903 8426 8602 8620 8692 8798 8990 9152
9186 9213 9270 9341 9409 9458 9519 9653 9759 9863

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR GANGA MORNING

Draw No:79 DrawDate on:30/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 69C 70330

Cons. Prize Rs.1000/- 70330 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

07753 10432 13016 23301 27196 35875 36714 43474 55889 61534

3rd Prize ₹450/-

1158 1673 2527 2746 3667 4722 5047 5167 7243 8252

4th Prize ₹250/-

1419 4672 4892 5251 5876 6559 8474 8646 9195 9797

5th Prize ₹120/-

0005 0066 0139 0294 0408 0522 0530 0578 0675 0866
1023 1032 1133 1280 1331 1403 1421 1828 1916 2021
2042 2125 2144 2161 2163 2206 2291 2354 2373 2378
2570 2579 2607 2821 2837 2935 3009 3123 3466 3527
3678 3753 4019 4263 4271 4285 4550 4577 4912 5058
5111 5289 5319 5506 5541 5601 5604 5711 5762 5921
6062 6210 6211 6321 6386 6389 6471 6481 6548 6555
6661 6779 6888 6901 7033 7232 7341 7357 7501 7510
7609 7706 7769 7779 7975 8106 8354 8365 8472 8864
8892 9060 9141 9313 9330 9343 9449 9582 9853 9858

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FLAMINGO EVENING

Draw No:179 DrawDate on:30/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 88D 32936

Cons. Prize Rs.1000/- 32936 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

25485 35934 39944 40367 47560 78889 86946 87120 90326 96298

3rd Prize ₹450/-

0222 1531 1670 3089 4810 5443 5580 7096 8880 9191

4th Prize ₹250/-

1958 1972 3646 5463 6639 6722 7382 7537 7591 8978

5th Prize ₹120/-

0044 0135 0221 0227 0338 0377 0380 0466 0509 0540
0684 0948 0979 1259 1340 1410 1553 1591 1783 1877
1937 1963 1983 2059 2197 2245 2329 2446 2727 2800
2927 3192 3207 3240 3285 3357 3725 3918 3956 4078
4183 4196 4367 4412 4448 4606 4657 4892 5101 5135
5147 5177 5187 5342 5359 5468 5539 5668 5690 5729
5941 5999 6026 6127 6283 6346 6480 6508 6529 6543
6575 6634 6757 6783 6840 6898 7007 7016 7262 7305
7628 7746 7754 8107 8198 8297 8335 8400 8581 8712
8745 8965 8973 8998 9167 9263 9294 9686 9840 9942

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

आतंक के विरुद्ध

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में पिछले हफ्ते हुए चौथे एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) लेवल के रीजनल सिक्यॉरिटी डायलॉग को इस मायने में कामयाब कहा जा सकता है कि भारत, चीन, रूस, ईरान समेत इस क्षेत्र के आठ प्रमुख देशों में अफगानिस्तान को लेकर न्यूनतम सहमति बन गई। एनएसए सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में आठों देश अफगानिस्तान को आतंकमुक्त बनाने और वहां चल रहे टेरर कैंपों को बंद करने पर एकमत नजर आए। जो मौजूदा वैश्विक माहौल है और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भी भारत और चीन जैसे बड़े देशों के बीच जिस तरह के समीकरण हैं, उन्हें देखते हुए अफगानिस्तान को लेकर एक बुनियादी सहमति पर पहुंचना कोई छोटी बात नहीं है। ध्यान रहे, पिछले साल नवंबर में ही तीसरा रीजनल सिक्यॉरिटी डायलॉग भारत की मेजबानी में हुआ था, जिसमें न तो चीन शामिल हुआ था और ना ही पाकिस्तान। पाकिस्तान वैसे इस बार भी गैरहाजिर रहा, लेकिन इसकी वजह आंतरिक थी। वहां नई सरकार आने के बाद से अभी तक एनएसए की नियुक्ति नहीं हो पाई है।

आतंकवाद को लेकर बनी इस सहमति के संदर्भ में यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि भारत और चीन का नजरिया इस मामले में काफी अलग रहा है। चीन जब आतंकवाद की बात करता है तो उसका मतलब अक्सर शिनच्यांग केंद्रित ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) से जुड़ी गतिविधियों से होता है, जबकि भारत की मुख्य चिंता लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को लेकर रही है। मगर संयुक्त बयान में अफगानिस्तान को आतंकमुक्त करने के साथ ही इस क्षेत्र में चलाए जा रहे आतंकी शिविरों को बंद करने की बात है, जिससे भारतीय नजरिया भी कवर हो जाता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है अफगानिस्तान के संदर्भ में अमेरिका की भूमिका। संयुक्त बयान में अमेरिका या किसी भी पश्चिमी देश का नाम नहीं लिया गया है, मगर यह जरूर कहा गया है कि जो भी देश अफगानिस्तान की मौजूदा हालत के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें उसके आर्थिक पुनर्निर्माण में दायित्व निभाना चाहिए। ये देश अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में किसी भी तरह की दखलंदाजी के खिलाफ हैं और चाहते हैं कि वहां अफगानों के ही नेतृत्व और निगरानी में और उनके ही द्वारा टिकाऊ शांति कायम की जाए।

कुल मिलाकर देखा जाए तो आतंकवाद एक वैश्विक सवाल जरूर है, लेकिन अफगानिस्तान की अस्थिरता का सबसे ज्यादा प्रभाव इसी क्षेत्र के देशों पर पड़ने वाला है। इस लिहाज से रीजनल सिक्यॉरिटी डायलॉग के रूप में एक ऐसी व्यवस्था बनती दिख रही है, जिसके जरिए इस क्षेत्र के सभी प्रमुख देश मिलकर आपसी सहमति से और राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए अफगानिस्तान के हालात की जटिलताओं को एक-एक कर सुलझाने का प्रयास जारी रख सकते हैं। यह इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा डिवेलपमेंट है।

संपादकीय पृष्ठ

भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण

स्मृति इरानी
केन्द्रीय मंत्री

जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'नारी शक्ति' के नए युग की शुरुआत की है। कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेपों द्वारा महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के भारत के प्रयासों को मिली प्रशंसा इसके प्रमाण हैं। महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के ये प्रयास केवल कागजों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इन्हें जमीनी स्तर पर लागू किया गया है। महिलाएं अब उन अकल्पनीय नीतियों का विषय नहीं हैं, जिनका लक्ष्य इन्हें माताओं और पत्नियों की भूमिकाओं में सीमित करना है। इस अमृत काल में, महिलाएं हरेक क्षेत्र में नेतृत्व कर रहीं हैं, श्रम शक्ति में अनुकूल स्थिति में हैं और भारतीय समाज की केंद्र बिन्दु हैं।

महिला सशक्तिकरण के मामले में पूर्व सरकारों ने अवसर गवां दिए, मोदी सरकार ने समग्र, राष्ट्रीय विकास प्राप्त करने के लिए इसे एक अनिवार्य शर्त बना दिया है। इसे नीतिगत हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला के माध्यम से हासिल किया गया है। राशन कार्ड मुख्य रूप से घर के पुरुष मुखिया के नाम से जारी किया जाता था। राशन कार्ड को पहचान के दस्तावेज के रूप में मान्यता के स्थान पर सभी के लिए विशिष्ट पहचान, आधार पेश किया गया है। पूर्ववर्ती राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई) में बदलाव किये गए और इसमें महिला-केंद्रित बीमारियों व सेवाओं की एक बड़ी श्रृंखला शामिल करने के लिए इसे एक नया रूप देते हुए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) का नाम दिया गया। इसमें प्रति परिवार 5 लाभार्थियों की सीमा थी, जिसमें अक्सर पुरुषों को प्राथमिकता मिलती थी। इस अनुचित सीमा को हटा दिया गया। पीएम जेएवाई के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार उन घरों तक भी किया गया है, जहाँ कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है और इसमें सदस्यों की संख्या की भी कोई सीमा नहीं राकी गयी है। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, पति और पिता से स्वतंत्र, एक पहचान होने का सम्मान भारतीय महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास, स्वामित्व और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सरकार भारत के रोजगार और श्रम क्षेत्र को गति प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के जरिये महिलाओं की उद्यमिता को नयी पहचान मिली है। मुद्रा योजना से ऋण प्राप्त करने वाले खाताधारकों में महिलाओं का हिस्सा 68 प्रतिशत है। आय-सृजन गतिविधियों की आकांक्षाओं के लिए दिए जाने मुद्रा ऋणों ने महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है, जिनके बारे में पहले सोचा भी नहीं जाता था। स्टैंड-अप इंडिया के तहत विनिर्माण, सेवा और कृषि से जुड़े क्षेत्रों में ग्रीनफील्ड उद्यमों की आकांक्षाओं के लिए उपलब्ध ऋण सुविधा ने महिलाओं के जीवन से वित्तीय बाधाओं को दूर किया गया है। इसके अलावा, स्टार्टअप इंडिया कोष का 10 प्रतिशत यानि छ1000 करोड़ की धनराशि, सिडबी द्वारा संचालित निधि है, जिसे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए निर्धारित किया गया है। कृषि को तुलनात्मक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता है, लेकिन महिला किसान दिवस समारोहों के वार्षिक आयोजन और सरकारी कृषि लाभार्थी-संबंधी योजनाओं में धनराशि का 30 प्रतिशत महिला किसानों के लिए निर्धारित किये जाने से स्थितियों में बदलाव आया है।

महिलाओं को परिवर्तन के ध्वजवाहक के रूप में पेश किया गया है। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत जहां कारोबार सहायक के रूप में सखियां स्वयं-सहायता समूहों को बुनियादी बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं, वहीं स्वच्छ भारत जन आंदोलन के तहत महिला स्वच्छाग्रही स्वच्छता सेवाओं को घर के करीब ला रही हैं। जहां कमियां उजागर हुई हैं, उन्हें क्षमता निर्माण के जरिए दूर किया गया है। पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (ईडब्ल्यूआर) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम एक ऐसी योजना है, जो महिला प्रतिनिधियों को महिलाओं और बच्चों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक रूप से विचार-विमर्श करने के लिए प्रशिक्षित करता है और उन्हें परिवर्तन का प्रतिनिधि बनने में सक्षम बनाता है। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसएचए) के तहत व्यापक डिजिटल साक्षरता अभियान के माध्यम से पुरुष-महिला डिजिटल अंतर को समाप्त करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।

यह स्वीकार करते हुए कि शिक्षित महिलाएं सूचना व जानकारी के आधार पर सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक निर्णय लेती हैं, सरकार ने इस नेक भविष्य के लिए निवेश किया है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुभारम्भ की गयी बेटी बचाओ बेटी पढाओ (बीबीबीपी) कार्यक्रम जो बालिकाओं के अस्तित्व, संरक्षण और अधिक से अधिक शैक्षिक भागीदारी का एक राष्ट्रीय अभियान है, के अच्छी परिणाम सामने आ रहे हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 991 (2015-16) से 29 अंक बढ़कर 1020 (2019-21) हो गया है। यूडीआईएसई-डेटा के अनुसार माध्यमिक स्तर के स्कूलों में लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 68.17 प्रतिशत (2012-13) से बढ़कर 79.46 प्रतिशत (2020-21) हो गया है। दरअसल, 2012-13 और 2019-20 के बीच माध्यमिक और उच्च माध्यमिक दोनों स्तरों पर लड़कों की तुलना में लड़कियों के लिए जीईआर में ज्यादा वृद्धि दर्ज की गयी है।

महिलाओं की स्वयं के लिए कुछ ना करने से लेकर स्वयं के लिए करने तक की यात्रा को एक समग्र सामाजिक-राजनीतिक और कानूनी वातावरण द्वारा समर्थन दिया गया है। महिला साक्षरता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण मॉड्यूल और आजीविका उन्मुख योजनाएं; भारतीय समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में महिलाओं के प्रवेश की बाधाओं को दूर करने के लिए कुछ रणनीतियों के रूप में पेश की गईं हैं। सरकार ने 2017 में कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए राष्ट्रीय क्रेच योजना की शुरुआत की, ताकि देखभाल में कमी होने संबंधी बाधाओं को दूर किया जा सके। कामकाजी महिलाओं को और समर्थन देने के लिए, पूर्ववर्ती 12 सप्ताह की शर्त में एक उदार संशोधन किया गया, जिसके तहत गर्भवती महिलाओं के लिए 26 सप्ताह के सवैतनिक मातृत्व अवकाश की पेशकश की गई।

सरकार ने भी साफ़ तौर पर संपत्ति और संसाधनों के असमान वितरण को समानता में लाने का संकल्प व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना कमजोर परिवारों में महिला लाभार्थियों को रियायती एलपीजी कनेक्शन की सुविधा देती है और इस प्रकार उन्हें स्वामित्व के माध्यम से गरिमा प्रदान करती है। साथ ही, उज्ज्वला योजना महिलाओं को धुआं मुक्त वातावरण की सुविधा देती है तथा उन्हें ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत से बचाती है, जिससे समय की बचत होती है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। वित्त मंत्री द्वारा हाल ही में 12 गैस सिलेंडरों पर 200 रुपये की सब्सिडी देने की घोषणा के साथ भविष्य में रिफिल न खरीदे जाने की आशंका भी समाप्त हो गयी है। ईंधन की कीमतों में कमी के साथ, यह कदम महिलाओं के लिए जीवन को आसान बनाने में मदद करेगा, जबकि विश्व स्तर पर ऊर्जा की कीमतें, तेजी से बढ़ी हैं।

इसी तरह, प्रधानमंत्री आवास योजना में भी महिला लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाती है। वास्तव में, आवास योजना के तहत लगभग 75 प्रतिशत महिलाओं को घरों का स्वामित्व दिया गया है। आवास योजना, परिसंपत्ति के स्वामित्व में लंबे समय से चले आ रहे, ऐतिहासिक, असमान अंतर को दूर करती है, जो महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और संकट के दौरान 'आरक्षित' परिसंपत्ति विकल्पों से वंचित करती थी।

सार्वजनिक काम-काज में महिलाओं की स्वायत्तता को केंद्र बिंदु में रखने के लिए, सरकार ने 3 महत्वपूर्ण फैसलों के जरिये भारतीय महिलाओं को अपना भाग्य-निर्माता बनाया है। इसके लिए, मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के माध्यम से तत्काल तीन तलाक की अशोभनीय प्रथा को समाप्त कर दिया गया है; गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति (संशोधन) अधिनियम, 2021 के माध्यम से कमजोर महिलाओं के लिए गर्भावस्था आयु को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है तथा बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 के प्रावधानों के तहत महिलाओं के लिए कानूनी विवाह की आयु को बढ़ाकर पुरुषों के समान 21 वर्ष करने का प्रस्ताव किया गया है। इस तरह के कानूनी प्रावधानों से महिलाओं का स्व-शासन और प्रक्रियात्मक आजादी सुनिश्चित होती है।

महिला सशक्तिकरण के प्रति इस वास्तविक प्रतिबद्धता से महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हुई है। एनएफएचएस-4 (2014-15) और 5 (2019-21) के बीच, लगभग 89 प्रतिशत विवाहित भारतीय महिलाओं ने प्रमुख घरेलू निर्णयों में भाग लिया, जो पिछले सर्वेक्षण की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। उल्लेखनीय रूप से, पहले से कहीं अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले घरों (43.3 प्रतिशत) -अकेले या संयुक्त रूप से- की संख्या में वृद्धि हुई है और 78.6 प्रतिशत बैंक खातों का वे स्वयं उपयोग करती हैं।

मोदी सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में नारी शक्ति का सम्मान करने के कई उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। वर्तमान मंत्रिपरिषद में 11 मंत्रीपद महिलाएं संभाल रही हैं, जो प्रशासनिक पहलों में महिलाओं को केंद्र बिंदु में रखने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

अमृत काल ने भारतीय महिलाओं के लिए नई भूमिकाओं की परिकल्पना करने के क्रम में लैंगिक असमानता और शक्तिहीनता की स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव के संकेत दिए हैं, जो 'नारी शक्ति' को रेखांकित करते हैं। पिछले 8 वर्षों में महिलायें नई भूमिकाओं में सामने आयीं हैं- मजबूत इरादों के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए देश के भाग्य का निर्णय करने वाली मतदाता के रूप में, जनमत - निर्माता के रूप में एवं व्यवहार परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में। अमृत काल में राष्ट्र-निर्माण का भविष्य नि:संदेह 'महिला' केन्द्रित होगा।

यासीन मलिक की सजा का संदेश

अवधेश कुमार

यासीन मलिक को न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने के पहले ही जिस तरह पाकिस्तान में विरोध शुरू हो गया और वहां प्रधानमंत्री व विदेशमंत्री से लेकर बड़े-बड़े नेताओं के जैसे बयान आए, उनसे अंदाजा लग जाना चाहिए कि उसकी शक्ति का स्रोत कहां था। विशेष एनआईए न्यायालय ने यासीन मलिक को गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की जिन विभिन्न धाराओं के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई, उनमें उसका अपराध पूरी तरह साबित होता है। मलिक को आतंकवादी गतिविधियों और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भी उम्र कैद की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही 10 लाख 75 हजार का जुर्माना लगाया गया। यासीन पर आतंकवादी हिंसा, हवाला, हत्या, अपहरण समेत लगभग 60 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। सरकारी वकील ने उसके लिए फांसी की सजा की मांग की थी। किसी व्यक्ति पर एक साथ इतनी धाराओं के तहत अपराध साबित हो तो उसे उम्रकैद से नीचे क्या सजा मिल सकती है?

न्यायालय ने अपने फैसले में लिखा है कि यासीन मलिक का उद्देश्य न सिर्फ भारत के मूल आधार पर प्रहार करना था, बल्कि जम्मू कश्मीर को भारत से जबरदस्ती अलग करना था। अपराध इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि यह विदेशी ताकतों और नामी आतंकवादियों की सहायता से किया गया था। यासीन की गिरफ्तारी के बाद ही अभियान चला था कि 1994 में उसने हथियार छोड़ दिया और तब से किसी भी आतंकवादी संगठन को न सहायता दी और न किसी हिंसा में भाग लिया। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि उनकी राय में मलिक में कोई सुधार नहीं हुआ था। फैसले के अनुसार हिंसा का रास्ता छोड़ने पर मलिक को सरकार ने सुधार का मौका देने के साथ ही बातचीत में शामिल करने की कोशिश की, लेकिन वह हिंसा से बाज नहीं आया और सरकार के नेक इरादों के साथ उसने विश्वासघात किया।

अहिंसा के गांधीवादी सिद्धांत का पालन करने वाले दोषी ने एक हिंसक आंदोलन को नियोजित किया था। गांधी ने तो हिंसा की एक छोटी-सी घटना के कारण असहयोग आंदोलन खत्म कर दिया था, जबकि घाटी में बड़े पैमाने पर हिंसा के बावजूद दोषी ने न तो हिंसा की निंदा की और न ही उस विरोध को वापस लिया जिसके कारण हिंसा हुई थी। इसके बाद यह बताना आवश्यक नहीं है कि यासीन मलिक किस तरह झूठ बोलकर स्वयं को अहिंसक और गांधीवादी साबित करने की कोशिश कर रहा था। जुर्माने पर न्यायालय ने कहा है कि यासीन ने 2015 में जहूर बताली से 10 लाख रुपये लिए थे, जिनका इस्तेमाल आतंक फैलाने के लिए किया गया। इसीलिए न्यायालय ने कहा कि जितनी धनराशि आतंक फैलाने के लिए ली थी, उतनी ही धनराशि जुर्माने के तौर पर भुगतान करना होगा। ध्यान रखिए, बताली भी आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में आरोपित है। एनआईए का आरोप पत्र और न्यायालय का फैसला पढ़ने के बाद पता चलता है कि बताली ने अलग-अलग शेल कंपनियां बनाकर पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआईएस से धन प्राप्त किया। यह धन अलगाववादी नेताओं और पथराव करने वालों के साथ आतंकवादियों को हस्तांतरित की गई।

वास्तव में न्यायालय के फैसले को देखने पर यासीन मलिक और ऐसे अन्य आतंकवादियों की पूरी असलियत सामने आ जाती है। यासीन उन चार आतंकवादियों में से एक है, जो सबसे पहले आतंकवादी प्रशिक्षण लेने पाकिस्तान गया था। यासीन मलिक वही व्यक्ति है, जिसने 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना सहित वायु सेना के चार अधिकारियों की सरेआम हत्या कर दी थी। कुल मिलाकर, यासीन मलिक की सजा के साथ जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को भारी चोट लगने की उम्मीद की जा सकती है। इससे एक संदेश साफ है कि चाहे आप कितने भी बड़े क्यों न हों, यदि आपने भारत के खिलाफ षड्यंत्र किया, तो भारतीय कानून से बचना संभव नहीं है।

चीन की चौतरफा घेराबंदी

डॉ. एन.के. सोमानी

पैसिफिक रीजन में सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत बनाने की दृष्टि से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हिंद-प्रशांत आर्थिक समूह (आईपीईएफ) के गठन का ऐलान किया है।

समूह इंडो-पैसिफिक रीजन में कारोबारी नीतियों, सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला), कार्बन उत्सर्जन में कमी, टैक्स, डिजिटल धोखाधड़ी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विषयों पर काम करेगा। समूह में भारत सहित 13 देश शामिल हैं। इसमें भारत, जापान और अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, ताइवान, न्यूजीलैंड, इंडोनेयिा, फिलीपींस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और वियतनाम को शामिल किया गया है। आईपीईएफ को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद पर अमेरिकी नियंत्रण के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। क्वॉड और ऑकस की तरह चीन ने बाइडन की इस पहल की आलोचना की है। विदेशमंत्री वांग यी ने कहा कि नई कारोबारी पहल से इस क्षेत्र में शक्ति प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उनका देश क्षेत्र में विभाजन और टकराव पैदा करने वाली किसी भी पहल का विरोध करता है।

दरअसल, चीन-अमेरिका इकोनॉमिक वारफेयर में चीन की आक्रामकता लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका इस वारफेयर में खुद को पिछड़ा महसूस कर रहा है। आईपीईएफ के जरिए अमेरिका इस स्पेस को भरना चाहता है। द्वितीय, हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी है। यहां स्थित 38 देशों में दुनिया की 65 फीसद या 4.3 अरब आबादी निवास करती है। दुनिया का 50 प्रतिशत समुद्री व्यापार इसी मार्ग से होता है। चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण मौजूदा समय में यह क्षेत्र वैश्विक शक्तियों के मध्य शक्ति संघर्ष का कारण बना हुआ है। चीनी मंसूबों पर नकेल डालने के लिए इस तरह की पहल जरूरी थी। तृतीय, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में अमेरिका के ट्रांस पैसेफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) से बाहर निकल जाने के बाद एशिया में अमेरिकी साख को बट्टा लगा है। आईपीईएफ की तरह टीपीपी का भी अहम मकसद प्रशांत क्षेत्र में स्थित राष्ट्रों के बीच निकटता बढ़ाने तथा चीनी मंसूबों का नियंत्रित करना था। पांच वर्षों तक चली मैराथन बैठकों के बाद अंतत: फरवरी 2016 में अमेरिका की अगुआई में टीपीपी को अंजाम दिया गया। यह विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता था।

लेकिन 2017 में अमेरिकी सत्ता में आए रिपब्लिकन ट्रंप ने पद भार संभालने के पहले ही दिन टीपीपी समझौते से अमेरिका के निकलने की घोषणा कर दी। बाद में जापान के नेतृत्व में यह कंप्रिहेंसिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट ऑन ट्रांस पैसिफिक पार्टनरशिप (सीपीटीपीपी) के रूप में तब्दील हो गया। बाइडन के सत्ता में आने के बाद अमेरिका फिर से एशियाई देशों से तालमेल बढ़ाने की कोशिशों में जुटा हुआ था। आईपीईएफ बाइडन की इन्हीं कोशिशों का परिणाम है। चतुर्थ, चीन टीपीपी का प्रभावशाली सदस्य है। वह सीपीटीपीपी में भी मेंबर बनना चाहता है। चीन 14 सदस्यों वाले रीजनल कंप्रिहेंसिव इकनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीइपी) का भी हिस्सा है। अमेरिका इसका सदस्य नहीं है, जबकि भारत इससे बाहर निकल चुका है। ऐसे में बाइडन की इस कोशिश को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मनमानियों पर नियंत्रण के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बाइडन की पहल का स्वागत करते हुए इस समूह को खुले, मुक्त एवं समावेशी हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता के लिए वैश्विक ग्रोथ का इंजन बताया है। बाइडन आईपीईएफ को लेकर खासे उत्साहित हैं। वे इसे पूर्वी और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के साथ जुड़ने का एक नया जरिया मान रहे हैं। उनके नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलीवन ने इसे 21 वीं सदी की आर्थिक व्यवस्था बताया है, लेकिन सवाल अमेरिकी विसनीयता का है। क्या गांरटी है कि सत्ता पर्वितन के बाद आने वाला नेतृत्व ट्रंप की तर्ज पर समझौते से बाहर नहीं निकलेगा। ताइवान को शामिल नहीं किया जाना भी इसकी साख पर सवाल उठा रहा है। फिर, अभी इसका संगठनात्मक स्वरूप और प्रावधानों को लेकर सदस्य देशों के बीच सहमति बनना बाकी है। ऐसे में अभी से यह कहा जाना कि यह समझौता 21वीं सदी की वैविक जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह सफल होगा जल्दबाजी ही होगा।

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।

तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब पारिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

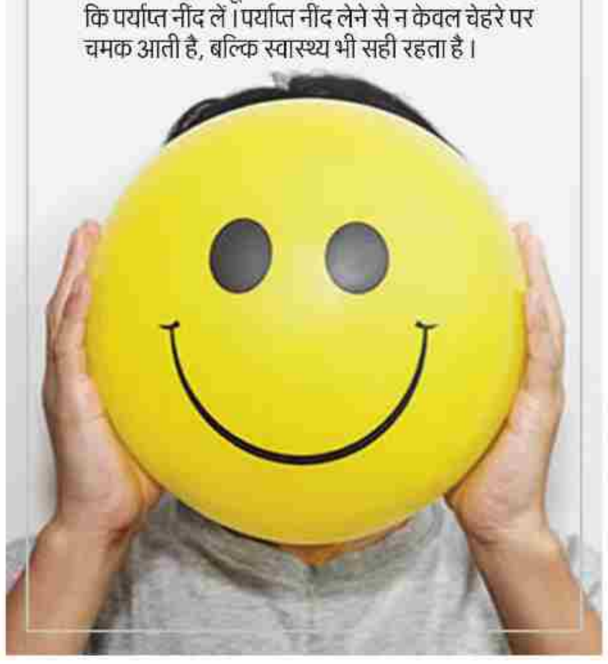

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।

इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग-अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे

आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोडी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 830 से 930 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 1130 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 430 से 530 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 730 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

सार समाचार

विश्व बैंक ने श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की

कोलंबो । विश्व बैंक ने गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की है। मौजूदा कर्जों को ही नए मद में आवंटित करने से श्रीलंका को फौरी राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व बैंक के श्रीलंका प्रमुख चियो कांडा ने पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जी एल पेइरिस से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक पहले से स्वीकृत परियोजनाओं की राशि पुनर्नियोजित कर जारी करेगा। विदेश मंत्रालय के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, कांडा ने पेइरिस को आश्वासन दिया है कि विश्व बैंक इस बारे में एशियाई विकास बैंक (एडीबी), एशियाई अवसरंचना निवेश बैंक (एआईआईबी) एवं संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। इस दौरान श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने कांडा से यह मांग की कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से दीर्घकालिक मदद नहीं मिलने तक विश्व बैंक से मदद मुहैया कराई जाए। इस पर कांडा ने कहा कि आने वाले महीनों में श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर दिए जाएंगे। विदेशी मुद्रा के गहरे संकट और उच्च मुद्रास्फीति के दौर से गुजर रहे श्रीलंका ने आईएमएफ से राहत पैकेज देने का अनुरोध किया हुआ है। आईएमएफ ने भी इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं।

ब्रिटेन ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया हफ्ते में चार दिन काम का नियम

लंदन । कई देश हफ्ते में 4 दिन काम के फॉर्मूले पर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रिटेन भी फोर डे वर्क वीक क्लब में शामिल होने जा रहा है। ब्रिटेन में 1 जून से हफ्ते में चार दिन का काम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो रहा है। इसे देश की 60 बड़ी कंपनियां लागू कर रही हैं। करीब छह महीने तक चलने वाले इस ट्रायल में कंपनियां अपने कर्मचारियों से हफ्ते में चार दिन या अधिकतम 32 घंटे काम लेंगी। यानी कर्मचारियों को हर हफ्ते तीन दिन की छुट्टी मिलेगी। इसमें देश की 60 बड़ी कंपनियों के 3000 कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इस दौरान कर्मचारियों की सैलरी में कोई बदलाव नहीं होगा। श्रम अर्थशास्त्री लेबर इकनॉमिस्ट जोनाथन बॉयस ने कहा इसमें सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि उत्पादकतदा को कैसे मापा जाएगा। कर्मचारियों को पांच दिन का काम चार दिन में करना होगा। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात ने सरकारी प्रतिष्ठानों के लिए जनवरी 2022 से सप्ताह में काम के दिनों को पांच से घटा कर अब साढ़े चार कर दिया गया है। शुक्रवार को आधा दिन काम यानी हाफ-डे वर्किंग रहती है। शनिवार और रविवार को पूरी तरह छुट्टी। माना जा रहा है कि जल्द ही निजी सेक्टर में भी इसी तरह के नियम लागू किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस समय दुनिया के सात देशों में यह नियम लागू है। जापान की पैनासोनिक पहली जापानी कंपनी है, जिसने इस नियम को लागू किया।

भारत-बांग्लादेश के बीच दो साल बाद ट्रेन सेवाएं बहाल : अधिकारी

ढाका। बांग्लादेश और भारत के बीच यात्री ट्रेन सेवाएं 'मैत्री एक्सप्रेस' और 'बंधन एक्सप्रेस' दो साल बाद रविवार को फिर से शुरू हो गयी। कोरोना वायरस फैलने के कारण ये सेवाएं रोक दी गयी थीं। बांग्लादेश रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि ढाका और कोलकाता के बीच मैत्री एक्सप्रेस ट्रेन सेवा ढाका छावनी रेलवे स्टेशन से रविवार को बहाल हुई। बांग्लादेश रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा, 'ट्रेन ढाका छावनी रेलवे स्टेशन से 165 यात्रियों के साथ कोलकाता के लिए रवाना हुई...यह सोमवार को वापसी करेगी और ढाका पहुंचेगी।' उन्होंने बताया कि ट्रेन से यात्रा की संभावित अवधि आठ घंटों की है। बांग्लादेश रेलवे के महानिदेशक धीरेंद्र नाथ मजूमदार ने कहा कि अब से ट्रेन एक सप्ताह में पांच दिन चलेगी। हालांकि कोविड-19 महामारी पूरी तरह खत्म न होने के कारण पहले दिन उम्मीद के अनुरूप यात्री नहीं आए। बीआर अधिकारियों ने बताया कि 465 सीट वाली ट्रेन का इस्तेमाल औसतन करीब 300 यात्रियों को लाने में किया जाता है। इस बीच, एक अन्य ट्रेन सेवा 'बंधन एक्सप्रेस' दो साल बाद फिर से बांग्लादेश पहुंची। यह ट्रेन बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम में स्थित खुलना और कोलकाता मार्ग के बीच चलती है। बंधन एक्सप्रेस एक सप्ताह में दो दिन चलती है। ये ट्रेन सेवाएं ऐसे समय में बहाल की गयी हैं जब पश्चिमी बंगाल के उत्तरी न्यू जलपाईगुड़ी और ढाका के बीच एक जून से मिताली एक्सप्रेस चलने की संभावना है। एक पर्यटक ट्रेन के तौर पर इसके बांग्लादेश से दार्जलिंग पहाड़ियों और डूअर्स वन तथा चाय बागानों तक पहुंचने की उम्मीद है। दोनों ट्रेन के दो साल के अंतराल के बाद फिर से चलने पर भारत में पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि सीमा के दोनों ओर के लोग ट्रेन सेवाओं के बहाल होने को लेकर उत्साहित हैं।

कनाडा के मशहूर रैपर ड्रेक ने सिद्धू मूसेवाला को दी श्रद्धांजलि, पोस्ट की भावुक तस्वीर

लॉस एंजिलिस/मुंबई। कनाडा के मशहूर रैपर ड्रेक ने सोमवार को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला को श्रद्धांजलि दी, जिनकी रविवार को पंजाब के मानसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मूसेवाला (27) कांग्रेस नेता भी थे। पंजाब सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा वापस लिए जाने के एक दिन बाद यह घटना हुई। ड्रेक ने इंस्टाग्राम पर मूसेवाला और उनकी मां की एक तस्वीर साझा कर गायक की मौत पर शोक जताया। उन्होंने लिखा, भगवान आपकी आत्मा को शांति दें सिद्धू मूसेवाला। ड्रेक ने 2020 में तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने मूसेवाला को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया था। ड्रेक को अपना प्रेरणास्रोत मानने वाले मूसेवाला कनाडा में नियमित तौर पर लाइव प्रस्तुतियां देते थे। रणवीर सिंह, विक्की कौशल, दिलजीत दोसांझ और संगीतकार सलीम मर्चेंट जैसे भारतीय कलाकारों ने भी मूसेवाला को श्रद्धांजलि दी। रणवीर सिंह और विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिवंगत गायक के गाने 'दिल दा नी माडा' का भी हवाला दिया। रविवार को अहमदाबाद में इंडियन प्रीमियर लीग के समापन समारोह में प्रस्तुति देने वाले सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मूसेवाला की तस्वीर भी साझा की और इसे कैप्शन दिया: 'अमर' (इमोर्टल)। पंजाबी गायक मूसेवाला को एक प्रतिभाशाली कलाकार बताते हुए अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ ने कहा कि गायक के निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। अभिनेता-गायक ने ट्वीट किया, 'दिल तोड़ने वाली खबर। वह एक प्रतिभाशाली लड़का था। मैं उससे कभी नहीं मिला लेकिन उसकी मेहनत बोलती थी। इसमें कोई शक नहीं कि यह माता-पिता के लिए बहुत कठिन समय है। संगीत उद्योग के लिए एक बुरा दिन।' संगीतकार सलीम मर्चेंट, जिनका सिद्धू मूसवाला के साथ एक गाना रिलीज होने वाला है, उन्होंने ट्विटर पर गायक की मौत पर दुख जताते हुए लिखा, मैं सिद्धू मूसेवाला की हत्या की खबर से स्तब्ध और दुखी हूं। सिद्धू एक रत्न थे। हमारा गाना जल्द ही रिलीज होने वाला था। यह अविश्वसनीय है। इससे पहले, अभिनेता अजय देवगन, ऋचा चड्ढा, कपिल शर्मा, स्वरा भास्कर, संगीतकार विशाल ददलानी और लोकप्रिय टीवी होस्ट रणविजय सिंह सहित अन्य कलाकारों ने भी मूसेवाला के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। पुलिस उपाधीक्षक (मानसा) गोबिंदर सिंह ने रविवार को पीटीआई- को बताया था, 'मूसेवाला को कई गोलियां लगी थीं। वह एक जीप में अपने दो दोस्तों के साथ यात्रा कर रहे थे, तभी जवाहर गांव में उन पर हमला कर दिया गया।' शुभदीप सिंह सिद्धू, जिन्हें सिद्धू मूसेवाला के नाम से जाना जाता था, उन 424 लोगों में शामिल थे, जिनकी सुरक्षा शनिवार को पंजाब पुलिस ने वापस ले ली थी। मूसेवाला ने हाल ही में मानसा से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था।

टेक्सास में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रोब एलीमैंट्री स्कूल की प्रिंसिपल को दिलासा देते हुए, इसी स्कूल में एक बंदूकधारी की गोली से कई बच्चों की मौत हुई थी।

वैज्ञानिकों को चांद की सतह के नीचे मिला जल का छिपा भंडार, धरती से नहीं ले जाना होगा पानी

वॉशिंगटन । चंद्रमा में जीवन की संभावनाओं को लेकर वैज्ञानिकों की कवायद जारी है। हालांकि, इंसान इस पर कदम रख चुका है। लेकिन अब यहां पर रहने की योजना पर काम किया जा रहा है। कई स्पेस एजेंसियां चांद पर बेस बनाना चाहती हैं। इंसान का जीवन बिना पानी के संभव नहीं और एक बेस को धरती से पानी ले जाकर चलाना बेहद खर्चीला होगा। चांद पर पानी को लेकर वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी सतह के नीचे इतना पानी है जिससे बेस की सभी जरूरतें पूरी हो जाएंगी। एक स्टडी के मुताबिक प्राचीन ज्वालामुखी विस्फोटों से निकली गैसों ने चांद के ध्रुवों पर सैकड़ों फीट मोटी बर्फ की चादर छोड़ी होगी। शोधकर्ता मानते हैं कि दो से चार अरब साल पहले निकले वाष्प का पांचवा हिस्सा क्रेटर में जमा हो गया होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो के शोध के मुताबिक तब चांद की हजारों वर्ग मील लंबी सतह लावा से ढकी हुई थी। भौतिक विज्ञानी एंड्रयू विल्कोस्की ने कहा कि चांद के ठंडा होने के कारण हम ऐसा मानते हैं कि वहां पानी होगा। क्योंकि समय के साथ वहां तापमान में भारी कमी आई। रिसर्च के सह लेखक प्रो पॉल हेन ने कहा कि अगर चांद पर पानी मिलता है तो ये खोजकर्ताओं के लिए एक वरदान होगा। ये पीने के साथ-साथ रॉकेट के ईंधन के रूप में इस्तेमाल हो सकेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का फेयरबैंक्स के एक शोध में हाल ही में दावा किया गया था कि चांद के पत्थरों के नीचे मौजूद बर्फ के रूप में पानी पृथ्वी से ही पहुंचा है।

नेपाल विमान हादसा : सेना ने दुर्घटनास्थल का पता लगाया

दुर्घटनाग्रस्त हुए नेपाली विमान में सवार 14 लोगों के शवों को निकाला गया, 8 की तलाश जारी

काठमांडू। (एजेंसी)

नेपाल मीडिया की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार नेपाल में विमानन कंपनी 'तारा एअर' के दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से 14 शव निकाले गए। नेपाली विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के सुराग मिल गये हैं। नेपाल से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही जमीन से विमान का संपर्क टूट गया और तमाम कोशिशों के बाद कुछ हासिंत नहीं हुआ। अनहोनी की आशंका को लेकर विमान की खोज शुरू हुई और आखिर में अनहोनी की आशंका सच साबिद हुई। हिमालय की पहाड़ियों में विमान क्रैश हो गया था। विमान के मलबे की पहली तस्वीर नेपाल आर्मी ने जारी की हैं और अब ताजा जानकारी के अनुसार बचावकर्मियों मे 14 शवों को निकाला है। प्लेन में कुल 22 लोग सवार थे। नेपाल की सेना को विमानन कंपनी ह्यतारा एयरह्व के दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे के पर्वतीय मुस्तांग जिले में होने के सुराग मिले हैं। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हालांकि, विमान में सवार 22 लोगों के बारे में अब भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर नारायण सिल्वाल ने कहा, 'सैनिकों और बचावकर्मियों ने दुर्घटनास्थल का पता लगा लिया है। इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी

जल्द साझा की जाएगी।' उन्होंने ट्वीट किया, 'दुर्घटनास्थल मुस्तांग जिले के थसांग-2 के सनोसवेयर में है।' सिल्वाल ने बताया कि पुलिस निरीक्षक लेफ्टिनेंट मंगल श्रेष्ठ और एक गाइड दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा, 'विभिन्न एजेंसियों के अन्य बचाव दल छोटे हेलीकॉप्टर के जरिये दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। वहां पहुंचने के लिए हर संभव साधन के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है।'

'तारा एयर' के 'ट्विन ओट्टर ९एन-एईटी' विमान ने पोखरा से रविवार सुबह करीब 10 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन 15 मिनट बाद ही उसका नियंत्रण टॉवर से संपर्क टूट गया। विमान में चार भारतीय, दो जर्मन और 13 नेपाली नागरिकों सहित कुल 22 लोग सवार थे। उनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अधिकारियों के मुताबिक, खराब मौसम और बादल छाए रहने के कारण दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कनाडा में निर्मित यह विमान पोखरा से मध्य नेपाल स्थित मशहूर पर्यटक शहर जोमसोम की ओर जा रहा था। विमानन कंपनी की ओर से जारी यात्रियों की सूची के अनुसार, विमान में मौजूद भारतीयों की पहचान अशोक कुमार त्रिपाठी, उनकी पत्नी वैभवी बांडेकर त्रिपाठी और बच्चों-धनुष त्रिपाठी व ऋतिका त्रिपाठी के तौर पर हुई है। यह परिवार महाराष्ट्र के ठाणे जिले का रहने वाला है। समाचार साइट 'रातोपाटी डॉट कॉम' के अनुसार, 'दुर्घटनास्थल का पता चल गया है। विमान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और उसके टुकड़े इधर-उधर बिखरे पड़े हैं।' 'रातोपाटी डॉट कॉम' ने स्थानीय निवासी इंद्रा सिंह के हवाले से कहा कि शवों के टुकड़े भी इधर-उधर बिखरे पड़े हैं और वे शिनाख्त की हालत में नहीं हैं। वहीं, ऑनलाइन समाचार मंच 'जनमंच डॉट कॉम' की एक खबर के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा मानापथ पर्वत के नीचे सनोसवेयर में मिला है। खबर में स्थानीय लोगों के हवाले से कहा गया है कि विमान लांखु नदी के उद्गम स्थल के पास पहाड़ी पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ और कई हिस्सों में टूटकर बिखर गया।

सावधान! मंकीपॉक्स का संक्रमण दुनिया में बढ़ा, 23 देशों में 257 मामले, डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)

दुनिया अभी कोरोना के दंश से उबरी भी नहीं है और अब मंकीपॉक्स संक्रमण के मामलों के कई देशों में बढ़ने ने चिंता बढ़ा दी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि गुरुवार तक आए आंकड़ों के मुताबिक 23 देशों में 257 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं 120 संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट सामने आई है। ये सभी वह देश हैं जहां मंकीपॉक्स आम तौर पर नहीं पाया जाता। अमेरिका में रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार दोपहर तक आठ राज्यों में 12 मामले दर्ज किए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि पांच अफ्रीकी देशों में जहां मंकीपॉक्स आमतौर पर पाया जाता है वहां 1365 मामलों और 69 मौतों की रिपोर्ट मिली है। दिसंबर से लेकर मई के बीच अलग-अलग समय में ये मामले मिले हैं। वहीं 23 देशों में मंकीपॉक्स से अभी तक कोई मौत नहीं हुई है। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 2017 के बाद से पश्चिम अफ्रीका में मंकीपॉक्स से पीड़ित लोगों की कुछ मौतें कम उम्र या एचआईवी संक्रमण के कारण हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कहा कि वैश्विक रूप से महामारी के जोखिम का स्तर मध्यम है। एजेंसी ने आगे बताया कि यह पहली बार है जब मंकीपॉक्स के मामले व्यापक रूप से असमान भौगोलिक क्षेत्रों जैसे पश्चिम या मध्य अफ्रीका में फैले हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने इस बात को लेकर आगाह किया है कि अगर वायरस खुद को मानव रोगजनक बना लेता है और कमजोर इम्यून वालों को संक्रमित करता है तो सार्वजनिक जोखिम का स्तर बढ़ सकता है। हालांकि अभी तक मंकीपॉक्स के मामले समलैंगिकों में ज्यादा मिले हैं। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में समलैंगिक पुरुषों को सावधान रहने की सलाह दी थी। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि प्रभावित लोगों और समुदायों पर किसी भी तरह का आरोप न लगे इसके लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। मंकीपॉक्स हालांकि शारीरिक संबंध बनाने से फैलने वाला वायरस नहीं है। लेकिन अगर किसी के शरीर पर मंकीपॉक्स के चकत्ते हैं तो ये दूसरे व्यक्ति के शरीर पर आ सकते हैं।

यूएनएचआरसी प्रमुख की शिनजियांग यात्रा प्रतिबंधित करने के चीन के प्रयासों से अमेरिका चिंतित: ब्लिंकन

बीजिंग (एजेंसी)

अमेरिका ने चीन में उइगर मुसलमानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को सत्यापित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की प्रमुख मिशेल बेशलेट की शिनजियांग प्रांत की हालिया सम्पन्न यात्रा को बीजिंग द्वारा 'प्रतिबंधित करने और तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों' पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिका ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को 'नरसंहार' की संज्ञा दी है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा, 'अमेरिका संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेशलेट और उनकी टीम की चीन की यात्रा को प्रतिबंधित करने और तोड़ने-मरोड़ने के बीजिंग के प्रयासों को लेकर चिंतित है।' उन्होंने कहा, 'हम चिंतित हैं कि बीजिंग के अधिकारियों द्वारा यात्रा पर थोपी गई शर्तों से चीन में मानवाधिकारों का पूर्ण और स्वतंत्र मूल्यांकन नहीं हो पाया है। इसमें शिनजियांग भी शामिल है, जहां मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार जारी हैं।' ब्लिंकन की यह टिप्पणी बेशलेट की चीन की छह-दिवसीय यात्रा की समाप्ति पर आयी है, जिसमें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से बातचीत और शिनजियांग के काशगर और उरुमकी में प्रवास शामिल था। ब्लिंकन ने कहा कि वह 'उन खबरों से भी परेशान हैं जिसके तहत कहा गया है कि शिनजियांग के निवासियों को इस क्षेत्र की स्थिति के बारे में शिकायत न करने या न बोलने की चेतावनी भी दी गयी थी, इतना ही नहीं लापता सैकड़ों उइगर मुसलमानों का अता-पता भी नहीं बताया गया और कैद में बंद लाखों लोगों की स्थिति' के बारे में भी जानकारी नहीं दी गयी।

अनस हक्कानी ने भारत की जमकर तारीफ की, कहा- क्रिकेट से भी मजबूत हो सकते हैं दोनों देशों के संबंध

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने में अफगानिस्तान की मदद करने और उसकी क्षमता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत हमेशा से ही काबुल का एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है और भविष्य में भी रहेगा। वहीं तालिबान को अब भारत को भी अब भारत की जरूरत महसूस होने लगी है। यही वजह है कि तालिबान के नेता अनस हक्कानी ने भारत की जमकर तारीफ की है। अनस ने कहा है कि भारत के लिए अफगानिस्तान के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। इसके साथ ही हक्कानी ने क्रिकेट के जरिए दोनों देशों के संबंधों को मजबूती पर भी जोर दिया है। अनस हक्कानी पूर्व अफगान अधिकारियों और राजनीतिक आंकड़े आयोग के साथ वापसी और संचार आयोग के मुखिया हैं। वो सिराजुद्दीन हक्कानी के भाई भी हैं, जो अब अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात (आईईए) के आंतरिक मंत्री हैं।

भारत के निवेश को सुरक्षित रखा जाएगा'

हक्कानी ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत का जो भी दांव है उसे अमीरात की स्थिर सरकार के तहत फिर से हासिल किया जा सकता है। अमीरात अपना समर्थन और आश्वासन देता है। इसके बावजूद अगर कोई समस्या है तो हम वो सुनिश्चित करेंगे। अफगानिस्तान में फिर से राजनयिक मिशन को खोलने और सामान्य द्विपक्षीय संबंध बहाल करने के सवाल पर अनस हक्कानी ने कहा कि जैसा कि मैंने आपको पहले भी बताया कि अफगान की एक नीति है जिसके तहत उसके पास है दुनिया के लिए एक खुला निमंत्रण है, जिसमें सभी देश शामिल हैं। दुनिया के सभी देश अमीरात के साथ अपने राजनयिक संबंध फिर से पहले की माफिक बहाल कर सकते हैं। भारत को भी हमारी तरफ से राजनयिक संबंध बहाल करने का निमंत्रण है और जैसा की पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान था उसी तरह वर्तमान की स्थिर सरकार के दौरान भी रिश्ते जारी रखे जा सकते हैं। अगर भारत कोई भी समस्या है, कोई मुद्दा है इसकी सारी आशंकाओं को सुना व दूर किया जाएगा। भारत अपनी एंबेसी को फिर से खोल सकता है और अफगानिस्तान के लोगों के साथ एक दोस्ताना माहौल में रिश्ते कायम कर सकता है। आइए और हमारे साथ पुराने दोस्तों की तरह रहें।

क्रिकेट से भी मजबूत हो सकते हैं भारत-अफगानिस्तान संबंध

भारत अफगानिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका के बारे में पूछे जाने के पर अनस हक्कानी ने कहा कि यह सच है और एक सच्चाई है कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक स्थान है। अफगान टीम ने बहुत ही कम समय में यह उपलब्धि हासिल की है। क्रिकेट दोनों देशों को एक साथ ला सकता है।

रूस के यूक्रेन पर हमले से सावधान हुआ जापान, दोगुना करेगा अपना रक्षा बजट

क्योटो (एजेंसी)

यूक्रेन पर रूस के हमले से जापान अलर्ट हो गया है। जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपनाई गई अपनी रक्षात्मक रणनीति को छोड़ते हुए अब पहले हमला करने की ताकत जुटाना शुरू कर दिया है। यही नहीं, जापान अपने रक्षा बजट को भी दोगुना करने जा रहा है। जापान को रूस और चीन दोनों से खतरा है। जापान ने यह तैयारी ऐसे समय पर शुरू की है, जब पुतिन और शी जिनपिंग दोनों ही आक्रामक रुख को अपनाते हुए टोक्यो पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

यही नहीं, क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान चीन और रूस ने अपने परमाणु बॉम्बर भेजकर जापान को डराने की कोशिश की थी। जापान में फूमिओ किशिदा की सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान की रक्षात्मक रणनीति को तिलांजलि दे रहा है। किशिदा ने अब देश की रक्षा नीति में आमूल-चूल बदलाव को तेज कर दिया है। यही वजह है कि जापान न केवल अपनी सेना पर खर्च को दोगुना करने जा रहा है, बल्कि 'पहले हमला करने की ताकत' को हासिल करने के करीब पहुंच गया है। किशिदा ने अपने कार्यकाल के पहले 8 महीने में विदेशी मोर्चे पर अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना किया है।

दरअसल, रूस के यूक्रेन पर हमले से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यह डर सताने लगा है कि चीन भी ताइवान पर हमले के लिए इसी तरह की रणनीति को अपना सकता है। चीन ताइवान को अपना प्रांत मानता है और ड्रैगन ने उसे मुख्य भूमि से मिलाने का प्रण किया है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जापान के संविधान के अनुच्छेद 9 को अमेरिकी सेना ने लिखा था। इस अनुच्छेद में कहा गया है कि जापान युद्ध से दूर रहेगा और अंतरराष्ट्रीय विवादों का निपटारा करने के लिए ताकत के इस्तेमाल से परहेज करेगा।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर हमले के पहले ही जापान की सत्तारूढ़ पार्टी एलडीपी ने एक ज्यादा मजबूत रक्षा नीति पर फोकस शुरू कर दिया था। एलडीपी ने अगले 5 साल के लिए रक्षा पर खर्च को जीडीपी का 1 से 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया था। जापान दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। जापान अपनी जीडीपी का अगर 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करता है, तो वह दुनिया की तीसरी बड़ी सैन्य ताकत बन जाएगा। जापान अभी रक्षा पर खर्च के मामले में 9वें नंबर पर है।

जापान ने साल 2021 में 54.1 अरब डॉलर खर्च किया जो अमेरिका के 801 अरब डॉलर और चीन के 291 अरब डॉलर से बहुत कम है। विश्लेषकों का मानना है कि जापान के रक्षा खर्च को बढ़ाकर जीडीपी का 1 प्रतिशत करना क्षेत्रीय सुरक्षा और रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर उसकी बढ़ती चिंता को दर्शाता है। जापान में अब ज्यादा लोग इस बात पर जोर देते हैं कि रूस ने यूक्रेन में जो हमला किया है, उसकी पुनरावृत्ति एशिया में चीन की ओर से नहीं होनी चाहिए। यह तब हो रहा है जब चीन और उत्तर कोरिया अपनी मिसाइल क्षमता को बढ़ा रहे हैं, वहीं अमेरिकी ताकत में गिरावट आ रही है।

जापान के प्रधानमंत्री ने चीनी सेना की गतिविधियों पर चिंता जताई है। चीन ने जापान के सेनकाकू द्वीप समूह के पास अपनी गतिविधि को बहुत बढ़ा दिया है।

गांधीनगर में गुजरात टाइटंस की जीत का जश्न

चैंपियंस को देखने के लिए सड़क पर उमड़ी भीड़, खिलाड़ियों ने स्वीकार किया अभिवादन

पुणे (एजेंसी)।

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सत्र गुजरात टाइटंस की जीत के साथ समाप्त हो गया। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम ने अहमदबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराने के बाद आईपीएल की ट्रॉफी उठाई। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने सोमवार को अलग ढंग से जीत का जश्न मनाया। दरअसल, पहली बार आईपीएल खेलने वाली गुजरात ने शानदार जीत दर्ज करने के बाद अपने गृह राज्य के गांधीनगर में एक विजय परेड में हिस्सा लिया। जिसका वीडियो सामने आया है।

नहीं चले स्टार खिलाड़ी

मौजूदा सत्र कई स्टार खिलाड़ियों के लिए बुरे सपने की तरह रहा तो फॉर्म गवा चुके कुछ खिलाड़ियों ने अच्छी लय हासिल की। इसके अतिरिक्त कई अनकैप्ड खिलाड़ियों ने खूब वाह-वाही भी बटोरी। इस सत्र में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। सबसे ज्यादा चर्चा तो विराट कोहली की हुई, जो मौजूदा सत्र में 3 बार गोल्डन डक आउट हुए। जबकि रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को एक भी अर्धशतकीय पारी नहीं खेल पाए। लेकिन हार्दिक पांड्या ने सभी का दिल जीता।

गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने सभी खिलाड़ियों का भरपूर इस्तेमाल किया। गुजरात की सबसे खास बात तो यह रही कि उनके सभी खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया। टीम कभी भी किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। करामाती खान (राशिद खान) से लेकर राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ियों ने इस सत्र में मुकाबलों को अच्छा फिनिश किया है। जबकि डेविड मिलर ने किलर मिलर वाली पारियां खेली हैं और कप्तान के बारे में क्या ही कहना... उनके बारे में लिखने बैठों तो शब्द कम पड़ जाएं।

पांड्या का हरफनमौला प्रदर्शन

हार्दिक पांड्या ने 15 मुकाबलों में 44 के औसत से 487 रन बनाए। जिसमें 4 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। इस दौरान हार्दिक पांड्या ने 131 के स्ट्राइक रेट से अपना जलवा बिखेरा। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने अच्छी लाइन-लेंथ वाली गेंदबाजी भी की। जिसकी बदौलत उन्होंने 8 विकेट चटकाए। जिनमें से 3 विकेट तो उन्होंने फाइनल मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ भी झटक लिए थे।

सार्जियो पेरेज ने जीती एफ-1 मोनाको ग्रां प्री

बीजिंग (एजेंसी)।

रेड बुल के सर्जियो पेरेज मोनाको ग्रां प्री का खिताब जीतते हुए 2022 एफ1 सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। रेस शुरू होने से ठीक पहले बारिश होने के कारण मोनाको ग्रां की शुरुआत एक घंटे की देरी से हुई। जीत के बाद रेड बुल के पेरेज ने कहा कि यह सपना सच होने जैसा है। एक ड्राइवर के तौर पर, आप यहां जीतना चाहते हैं। अपनी होम रेस के बाद, इससे बेहतर जीत नहीं हो सकती थी इसलिए इसे जीतना बहुत खास है। उन्होंने कहा- अंत में हमने अपने लिये मुकाबले को थोड़ा मुश्किल बनाया। हमें बस कोई गलती नहीं करनी थी और सीधी तरह आगे बढ़ते रहना था। कार्लोस को पीछे रखना आसान नहीं था।

तेज गेंदबाजी के लिए उमरान मलिक 'ताजी हवा के झोंके' की तरह: वाटमोर

श्रीनगर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कोच डेव वाटमोर ने उमरान मलिक को तेज गेंदबाजी की दुनिया में 'ताजी हवा का झोंका' करार देते हुए यहां उम्मीद जताई कि 22 साल के इस खिलाड़ी के प्रदर्शन में अभी और सुधार होगा। निजी स्कूल के शिविर में यहां पहुंचे वाटमोर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कई युवा इस तेज गेंदबाज के नक्शे-कदम पर चलना चाहते है। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों के कोच रह चुके वाटमोर ने कहा, 'तेज गेंदबाजी के लिए उमरान मलिक ताजी हवा के झोंके की तरह हैं। उन्होंने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्हें उनकी (आईपीएल) फेंचाइजी द्वारा बरकरार रखा गया जो एक बड़ी बात है। मुझे यकीन है कि यहां के बहुत सारे युवा उनका अनुकरण करना चाहेंगे।' उन्होंने मलिक को भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने के लिए बधाई देते हुए कहा, 'उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा करेंगे। उन्हें भारतीय टीम में चुने जाने पर बधाई। हम सभी को उम्मीद है कि उनके प्रदर्शन में और सुधार आयेगा। वाटमोर 1979 में भारत दौरे पर आयी उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे जिसने घाटी में एक मैच खेला था। उन्होंने उम्मीद जताई कि उन्हें यहां आने का और मौका मिलेगा। वाटमोर ने कहा, ''मैंने यहां 1979 में एक मैच खेला था जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत का दौरा किया था। मुझे याद है कि उस दौरे पर पहला मैच श्रीनगर में था। वह श्रीनगर मेरा पहला अनुभव था, वह अद्भुत था। यह मेरी यहां की दूसरी यात्रा है और मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी नहीं होगी।

अब भारतीय टीम के लिए विश्वकप जीतना है लक्ष्य: पांड्या

अहमदाबाद (एजेंसी)।

आईपीएल फाइनल में जीत से उत्साहित गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा है कि अब उनका लक्ष्य भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाना है। लंबे समय तक टीम से बाहर रहने के बाद आईपीएल से खेल में वापसी करते हुए हार्दिक ने अच्छी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की। वहीं पिछले एक साल तक फिट नहीं होने के कारण वह गेंदबाजी नहीं कर पाये थे पर इस बार आईपीएल में जिस प्रकार उन्होंने गेंदबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

इससे उत्साहित हार्दिक ने कहा, ÷भारत के लिए विश्व कप जीतने के लिए मैं इसे वह सब कुछ देने जा रहा हूं जो मेरे पास है। टीम को पहले रखना हमेशा से ही मेरी प्राथमिकता रही है। मेरे लिए मेरे से जरूरी मेरी टीम होती है जो अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।भारत के लिए खेलना हमेशा से एक सपने के सच होने जैसा रहा है, चाहे मैंने कितने भी मैच खेले हों। देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे लिए खुशी की बात रही है। मुझे जिस तरह का प्यार और समर्थन मिला है, वह केवल भारतीय टीम के कारण ही मिला है।

हार्दिक अब तक तीन अवसरों पर भारत के साथ विश्व खिताब के करीब पहुंचे पर तीनों ही बार टीम जीत नहीं पायी। साल 2016 में, बांग्लादेश के खिलाफ उनके अंतिम ओवर ने भारत को टी 20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया पर खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ब्रैथवेट की आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वेस्टइंडीज से हार गयी। वहीं 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी हार्दिक ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं साल 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में, हार्दिक ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर भारतीय टीम को संभालने का प्रयास किया था पर वह सफल नहीं हो पाये।

इंडियन ओपन सर्फिंग 2022: रमेश बुधियाल, सोफिया शर्मा बने चैम्पियन

मैंगलोर। कांटे के मुकाबले में कर्नाटक के रमेश बुधियाल ने प्रीमियर सर्फिंग प्रतियोगिता में तमिलनाडु के अजेश अली को हराकर पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी में नया राष्ट्रीय चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। शुगर बनारसे और सोफिया शर्मा ने क्रमशः महिला ओपन एवं ग्रोम्स गर्ल्स 16 और अंडर कैटेगरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती जबकि तमिलनाडु के किशोर कुमार ग्रॉम्स बॉयज 16 और अंडर कैटेगरी में नेशनल चैम्पियन बने। सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में यह प्रतियोगिता कर्नाटक के मैंगलोर के शांत पनाम्बुर बीच पर करवाई गई। इसका टाइटल पार्टनर कर्नाटक टूरिज्म (पर्यटन) रहा। जीत के बाद अपने दोस्तों द्वारा उत्साह से भरे जश्न के बाद रमेश बुधियाल ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। नेशनल चैम्पियन बनना अच्छा अहसास है। मैदान कठिन था और अजेश शानदार था लेकिन मैं आज यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए था और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सका। महिलाओं की ओपन सर्फ प्रतियोगिता में 16 वर्षीय गोवा की शुगर बनारसे ने तमिलनाडु सर्फर और गत चैंपियन सृष्टि सेल्वम से राष्ट्रीय चैंपियनशिप का ताज हासिल किया। शुगर जिसने शुरू में ग्रोम्स गर्ल्स 16 और अंडर श्रेणी के लिए पंजीकरण कराया था लेकिन उन्हें महिलाओं की ओपन श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिला। उन्होंने 14.50 अंक बनाए जबकि उपविजेता सृष्टि सेल्वम ने 13.40 अंक अर्जित किए। कर्नाटक की सिनचना गौड़ा 10.20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अपनी जीत के बाद बोलते हुए शुगर ने कहा कि आज लहरें कठिन थीं और प्रतियोगिता कठिन थी, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रशिक्षण को अपने खेल में दिखा पाई और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीत पाई।

हार्दिक बन सकते है टीम इंडिया के अगले कप्तान: गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल के पहले ही सत्र में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि पंड्या भविष्य में भारतीय टीम के कप्तान बनेंगे क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है। जिस प्रकार उन्होंने एक नई टीम को जीत दिलायी है जिसके बारे में किसी ने भी सोचा नहीं था वह अहम है। हार्दिक ने एक खिलाड़ी और कप्तान दोनों ही भूमिकाओं में अपने को साबित किया है। गावस्कर का मानना है कि हार्दिक ने टीम का शानदार नेतृत्व कर सभी को गलत साबित किया है। साथ ही कहा कि पंड्या ने जिस तरह टीम की कमान संभाली और खिलाड़ियों को एक टीम के तौर पर जोड़ने का काम किया। इससे यह पता चलता है कि उनमें बेहतर कप्तान बनने की क्षमताएं हैं। ऐसे में वह राष्ट्रीय स्तर पर यही जिम्मेदारी निभा सकते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हार्दिक ही अगले कप्तान होंगे पर चयन समिति को उनके नाम पर भी विचार करना चाहिये। हार्दिक ने चोट के बाद आईपीएल 2022 से ही क्रिकेट मैदान में वापसी की थी। ऐसे में इस बात पर सबकी नजर थी कि वो बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं। हार्दिक ने तमाम आशंकाओं को दरकिनार करते हुए लीग में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 15 मैच में 30 ओवर से अधिक फेंके और 8 विकेट भी झटके। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में गेंद और बल्ले दोनों से योगदान दिया।

ढ्ढक्करु2022 हारने के बाद भी मालामाल हुई राजस्थान रॉयल्स, टॉप 4 टीमों को मिली मोटी रकम, खिलाड़ियों पर भी लुटाया गया पैसा

पेरिस (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पंद्रहवें संस्करण का समापन अहमदाबाद में फाइनल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को हराकर गुजरात टाइटन्स (जीटी) के चैंपियन बनने के साथ हुआ। गुजरात जो विस्तारित लीग में दो नई टीमों में से एक है, ने अपने पहले आउटिंग में टूर्नामेंट जीता है। कप्तान हार्दिक पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने फाइनल में राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से एकतरफा जीत दर्ज करके अपने पहले ही सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम कर लिया। उन्नीसवें ओवर की पहली ही गेंद पर ओबेद मैकॉय को छक्का जड़कर शुभमन गिल ने जब जीत की औपचारिकता पूरी की तो एक लाख से अधिक दर्शकों की तालियों और शोर से नरेंद्र मोदी स्टेडियम गूंज उठा। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम ने धैर्य के साथ खेला और खिताबी मुकाबले जीतने में सफल रही।

आईपीएल में पुरस्कार टॉप 4 टीमों की इमान राशि

-विजेता टीम गुजरात टाइटंस को चैम्पियन होने के कारण रू.20 करोड़ का चेक मिला।

-उपविजेता के रूप में समाप्त हुई राजस्थान रॉयल्स को उपविजेता के रूप में रू.12.50 करोड़ का चेक भी प्रदान किया गया।

- रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) जो आरआर से दूसरे क्वालीफायर में हार गई और तीसरे स्थान पर रही, उसे रू.7 करोड़ का चेक मिला।

-लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) जो आरसीबी के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में बाहर हो गया, उसे चौथे स्थान पर रहने के लिए रू.6.5 करोड़ मिले।

आईपीएल के चैम चैंजर खिलाड़ियों पर भी बरसा पैसा

- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर- उमरान मलिक (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा छक्के- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन- दिनेश कार्तिक (टाटा पंच कार)
- गेम चेंजर ऑफ द सीजन- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- पेटीएम फेयरप्ले अवॉर्ड- राजस्थान रॉयल्स-गुजरात टाइटन्स
- पावरप्लेयर ऑफ द सीजन- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सीजन की सबसे तेज़ बॉल- लॉकी फर्ग्युसन (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा चौके- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा विकेट (पर्पल कैप)- युजवेंद्र चहल 27 विकेट (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा रन (ऑरेन्ज कैप)- जोस बटलर 863 रन (10 लाख रुपये)
- कैच ऑफ द सीजन- इवन लुईस (लखनऊ सुपर जायंट्स)- (10 लाख रुपये)
- मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर- जोस बटलर (10 लाख रुपये)

गुजरात टाइटंस का पहला सीजन और पहली जीत.

एक नयी नवेली टीम को दुनिया की इस सबसे लुभावनी क्रिकेट लीग का सिरमौर बनाने का श्रेय किसी को जाता है तो उसके 'कैप्टन कूल' हार्दिक पंड्या को। पहले गेंदबाजी में चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लेते हुए उन्होंने रॉयल्स को नौ विकेट पर 130 के स्कोर पर रोक दिया। जवाब में दो विकेट जल्दी गिरने पर 30 गेंद में 34 रन बनाकर टीम को दबाव से निकाला। टाइटंस ने 11 गेंद और सात विकेट बाकी रहते मैच जीत लिया। गिल 43 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि डेविड मिलर ने सिर्फ 19 गेंद में 32 रन बनाये जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। गुजरात ने रिधिमान साहा (पांच) और मैथ्यू वेड (आठ) के विकेट जल्दी गंवा दिये थे। इससे पहले राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया हालांकि उनका कोई भी बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सका। वहीं अपने घरेलू मैदान पर एक लाख से अधिक दर्शकों के सामने गुजरात के गेंदबाजों ने उन पर दबाव बना दिया। जोस बटलर (35 गेंद में 39) और यशस्वी जायसवाल (16 गेंद में 22 रन) के बल्ले से ही कुछ रन निकल सके।

हार्दिक पांड्या की दमदार कप्तानी की और खिलाड़ियों का साथ

हार्दिक ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर एक विकेट लिया। मोहम्मद शमी की रफ्तार और स्विंग के आगे सहज होकर नहीं खेल पा रहे जायसवाल ने जोखिम लेने में कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने शमी को कवर में छक्का जड़ा और यश दयाल को लांग लेग पर छक्का लगाया।

पांच सेट में जीते राफेल नडाल, अब सामना जोकोविच से होगा

पेरिस। रोलां गैरो पर 'रा फा रा फा' के शोर के बीच अपने करियर का 112वां मैच खेल रहे राफेल नडाल ने पांच सेटों में जीत दर्ज करके साबित कर दिया कि उन्हें लाल बजरी का बादशाह क्यो कहा जाता है। नडाल ने साढे चार घंटे तक चले चौथे दौर के मुकाबले में फेलिक्स ओगर एलियास्सिमे को 3.6, 6.3, 6.2, 3.6, 6.3 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब भी यहां खेलता हूं तो पता नहीं चलता कि क्या यह रोलां गैरो पर मेरा आखिरी मैच होगा। अब हालात ऐसे ही हो गए हैं इसलिए मैं हर मैच का मजा लेना चाहता हूं।'

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना नोवाक जोकोविच से होगा। जोकोविच का नडाल के खिलाफ कैरियर रिकॉर्ड 30.28 का है लेकिन फ्रेंच ओपन में नडाल ने उनके खिलाफ सात मैच जीते और दो हारे हैं। जोकोविच ने 15वीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्त्जमैन को 6.1, 6.3, 6.3 से हराया। अन्य क्वार्टर फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अलकाराज से होगा। ज्वेरेव ने क्वालीफायर बर्नाबे जपाटा मिरालेस को 7.6, 7.5, 6.3 से हराया। वहीं अलकाराज ने कारेन खाचानोव को 6.1, 6.4, 6.4 से मात दी। महिला वर्ग में 18 वर्ष की कोको गॉ का सामना अमरीका की ही स्लोएने स्टीफेंस से होगा जबकि 2021 अमेरिकी ओपन उपविजेता कनाडा के लैला फर्नांडिज की टक्कर इटली की 59वीं रैंकिंग वाली मार्तिना ट्रेविसान से होगी।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलेशिया खिताब जीता

सिडनी । भारत के एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल पेंग्यू को हराकर डब्लयूबीसी ऑस्ट्रेलेशिया मुक्केबाजी खिताब जीता है। भारतीय मुक्केबाज जयशंकर ने वेल्टरवेट वर्ग में यह खिताब जीता। माइकल लगातार दो मुकाबले जीतकर यहां तक पहुंचे थे। उन्होंने पिछले साल दिसंबर 2021 में ही अपने ही देश के जॉर्ज कापीन को हराकर यह खिताब जीता था। वहीं जयशंकर ने दिसंबर 2021 में डब्ल्यूबीसी इंडिया खिताब जीता था। उन्होंने हैदराबाद में आकाशदीप को एक बंटे हुए फैसले में हराया था। जयशंकर ने शुरू ही से काफी आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रहार शुरु कर दिये जिसका विरोधी मुक्केबाज के पास कोई जवाब नहीं था।

एशिया कप : कोरिया को हराकर फाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

जकार्ता (एजेंसी)।

गत चैम्पियन भारतीय टीम सुपर 4 चरण के आखिरी राउंड रॉबिन लीग मैच में दक्षिण कोरिया को हराकर एशिया कप पुरूष हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। भारत ने रविवार को मलेशिया के खिलाफ मुकाबले में जीत की ओर कदम रख ही दिया था लेकिन रजी रहीम ने हैट्रिक लगाकर भारत को 3.3 से ड्रॉ पर रोक दिया। भारत ने पहले मैच में शनिवार को जापान को 2.1 से हराया था। सुपर 4 अंकतालिका में कोरिया प्लस दो के गोल अंतर के साथ शीर्ष पर है जबकि भारत प्लस एक के गोल अंतर के साथ दूसरे स्थान पर है। दो मैच हारने के बाद जापान दौड़ से बाहर है जबकि मलेशिया अगर जापान को न्यूनतम दो गोल से हरा देता है तो उसके पास मौका है बशर्ते भारत और दक्षिण कोरिया का मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के इरादे कोरिया को हराकर अगर मगर के फेर से बचने के होंगे। वैसे यह चुनौती उतनी आसान भी नहीं है। सुपर 4 चरण में कोरिया ने मलेशिया को 2.2 से ड्रॉ पर रोका और जापान को 3.1 से हराया है। भारत ने भी पहले दो पूल मैचों के बाद अपने खेल में काफी सुधार किया है। मेजबान इंडोनेशिया को 15 गोल के अंतर से हराने के असंभव लक्ष्य को हासिल करके सुपर 4 में जगह बनाई। इसके बाद जापान को 2.1 से हराया जिसके हाथों प्रारंभिक चरण में 2.5 से पराजय मिली थी। मलेशिया के खिलाफ रविवार को भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके 3.2 से बढ़त बनाई लेकिन रहीम ने आखिरी पलों में पेनल्टी कॉर्नर पर मलेशिया के लिए बराबरी का गोल कर दिया। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति में उत्तम सिंह, एस वी सुनील और पवन राजभर ने प्रभावी प्रदर्शन किया। सुनील ने पिछले मैच में राजभर के पास पर गोल दागा था। भारतीयों ने कई मौके बनाये लेकिन स्ट्राइकर उन्हें गोल में बदल नहीं सके। मुख्य कोच सरदार सिंह इसमें सुधार करना चाहेंगे। बीरेंद्र लाकड़ा की अगुवाई में रक्षापंक्ति से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है जिसने मलेशिया के खिलाफ कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। सुपर 4 चरण के दूसरे मैच में जापान का सामना मलेशिया से होगा।

हार से निराशा हुई : बटलर

अपनी टीम पर गर्व है : सैमसन

अहमदाबाद । आईपीएल के खिताबी मुकाबले में हार से निराश राजस्थान रॉयल्स के आक्रामक बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा है कि फाइनल को छोड़कर उनका प्रदर्शन उम्मीद से अच्छा रहा है और उससे वह संतुष्ट हैं। बटलर को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने के लिए 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का अवार्ड भी मिला। मैच के बाद बटलर ने कहा, 'हम खिताब जीतना चाहते थे , ऐसे में हार से निराशा होना स्वाभाविक है पर बेहतर प्रदर्शन के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक और उसकी टीम को बधाई। वे जीत के अधिकारी थे। मेरा काम टीम के लिए अपनी भूमिका निभाना था।' वहीं हार के बाद भी रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक विशेष सत्र था। हम अच्छा क्रिकेट खेले और अपने प्रशंसकों को लुभावनी यादें दी। मुझे अपनी टीम पर गर्व है।'

पीएम मोदी ने कोरोना में अनाथ हुए बच्चों के लिए जारी की पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन स्कीम

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोरोना महामारी के कारण अनाथ बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन के तहत आर्थिक सहायता जारी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए अपनी क्षमताओं, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, युवाओं पर भरोसा दिखाया और दुनिया के लिए चिंता नहीं, बल्कि आशा की एक किरण बनकर उभरा।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के नकारात्मक प्रभाव से उबर कर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन के तहत बच्चों के लिए कई सुविधाएं शुरू करते हुए एक कार्यक्रम में यह बयान दिया। कार्यक्रम में मोदी ने स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए छात्रवृत्ति भी जारी की। बच्चों को योजना के तहत पासबुक और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड भी दिए गए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के नकारात्मक माहौल के दौरान भारत ने अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा।

उन्होंने कहा, हमने अपने वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, युवाओं पर भरोसा दिखाया और हमारा देश दुनिया के लिए चिंता नहीं, बल्कि आशा की एक किरण बनकर उभरा। हम कोई समस्या नहीं बल्कि समाधान देने वाले बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन यह दर्शाता है कि हर नागरिक उनके साथ खड़ा है।

मोदी ने कहा कि अगर किसी को पेशेवर पाठ्यक्रम या उच्च शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन (शिक्षा ऋण) चाहिए तो, पीएम केयर्स उसमें भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान अपने अभिभावकों को गंवा चुके बच्चों को हर महीने 4000 रुपये दिए जाएंगे, जिससे उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

पीएम केयर्स कोष के बारे में उन्होंने कहा कि इस कोष ने कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान अस्पतालों को तैयार करने, वेंटिलेटर खरीदने, ऑक्सीजन संयंत्र लगाने में भी काफी मदद की।

उन्होंने कहा, इसके जरिए कई लोगों की जान बचाई जा सकती है और कई परिवारों का भविष्य बचाया जा सकता है।

अपने माता-पिता खो चुके बच्चों को मनोबल बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि निराशा के माहौल में भी अगर हम खुद पर विश्वास रखें, तो आशा की एक किरण अवश्य दिखाई देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दुनियाभर में दवाइयां और टीके भेजे। मोदी ने कहा, इतने बड़े देश में भी, हमने सभी नागरिकों को टीके उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा, हमने अपने देशवासियों को टीके उपलब्ध कराए और अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की करीब 200 करोड़ खुराक लोगों को दी जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले आठ वर्ष में जो मुकाम हासिल किया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज, विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है, वैश्विक मंचों पर हमारे भारत की ताकत बढ़ी है। मुझे खुशी है कि युवा शक्ति भारत की इस यात्रा का नेतृत्व कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय भेदभाव के दुष्चक्र से बाहर निकल रहा है, जिसमें वह 2014 से पहले फंस हुआ था।

मोदी सरकार ने आठ वर्षों में जनता की सेवा करने वाली विदेश नीति पर जोर दिया : जयशंकर

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि बीते आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जन केंद्रित विदेश नीति में विकास, सुरक्षा और सभ्यता को बढ़ावा देने तथा जनता की सेवा करने वाली कूटनीति पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) वर्ष 2014 में सत्ता में आया था। राजग सरकार का दूसरा कार्यकाल 30 मई 2019 को शुरू हुआ था।

मोदी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की जन केंद्रित विदेश नीति के 8 वर्ष पूरे हुए। यह हमारे विकास, सुरक्षा और सभ्यता के लिए कूटनीति है। यह ऐसी कूटनीति है जो अपनी जनता की सेवा को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान पासपोर्ट वितरण में व्यापक परिवर्तन हुए और इसे तेज, भ्रष्टाचार मुक्त और लोगों के लिये सुगम बनाया गया।

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इस दौरान विदेशों में भारतीयों की सलामती एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान वंदे भारत मिशन, यूक्रेन से भारतीयों को लाने के लिये ऑपरेशन गंगा चलाया गया तथा कई अन्य कार्य किये गए।

उन्होंने कहा कि कमजोर वर्गों एवं श्रमिकों के लिये कल्याण का दायरा बढ़ाया गया तथा भारतीय प्रतिभाओं, पेशेवरों, श्रमिकों एवं छात्रों के लिये अवसर बढ़े।

जयशंकर ने कहा कि इस अवधि (पिछले आठ वर्षों) में सरकार ने भारतीय निवेश एवं निर्यात को समर्थन दिया तथा देश में रोजगार के अवसर सृजित किये। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के साथ विश्वसनीय संबंधों और अंतर्राष्ट्रीय समर्थन के माध्यम से विश्वसनीय राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा, इस अवधि में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दिया गया और दुनिया में हमारी साख बढ़ी।

प्रौद्योगिकी के साथ बदल रहा है युद्ध का तरीका : वायु सेना प्रमुख

पुणे, 30 मई (एजेंसी)। वायुसेना प्रमुख वी.आर चौधरी ने सोमवार को कहा कि नयी प्रौद्योगिकी और नये सिद्धांतों के आने के साथ युद्ध का तरीका मूलभूत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। साथ ही, भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे और चुनौतियां शामिल हैं, जिनसे निपटने के लिये लिए बहु-स्तरीय क्षमताओं और कम समय में अभियानों के क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी।

उन्होंने यहां महाराष्ट्र में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में 142वें पाठ्यक्रम की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद यह बात कही। एनडीए सशस्त्र बलों की संयुक्त सेवाएं अकादमी है।

उन्होंने यह भी कहा कि विश्व वायु सेना सूचकांक में तीसरा स्थान हासिल करना भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिये गर्व की बात है और यह पहले स्थान की ओर बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि दुनिया युद्ध के तरीकों में नयी प्रौद्योगिकी को अपना रही है और पारंपरिक युद्ध लड़ने के तरीकों से धीरे-धीरे दूर जा रही है, इस लिहाज से हम सभी के लिए तेजी से बदलाव के अनुकूल होना जरूरी है ताकि हम युद्ध लड़ने के अपने तरीकों को नया रूप दे सकें।

उन्होंने कहा, नयी प्रौद्योगिकी और नए सिद्धांतों के आने के साथ युद्ध का तरीका एक मूलभूत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे और चुनौतियां हैं। इनसे निपटने के लिये हमें बहु-स्तरीय क्षमताओं का निर्माण करने और एक साथ तथा कम समय में अभियानों के क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी।

मूसेवाला की मौत के लिए पंजाब के सीएम जिम्मेदार : सुखबीर बादल

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को यूथ आइकन सिद्धू मूसेवाला की मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार बताया।

उन्होंने कहा कि मान के खिलाफ मूसेवाला की सुरक्षा वापस लेने की गोपनीय सूचना जारी कर पद की शपथ का उल्लंघन करने के साथ ही अकाल तख्त के जत्थेदार और आम आदमी पार्टी के नेताओं सहित अन्य प्रमुख हस्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में शिअद के प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से मुलाकात की और उनसे मान को पद से बर्खास्त करने का आग्रह किया।

बादल ने मूसेवाला की हत्या की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री एक मिनट भी और पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं।'

उन्होंने कहा कि यह जरूरी है, क्योंकि पंजाबियों का आप सरकार में कोई भरोसा नहीं है और मृतक के परिवार ने भी यह अनुरोध किया है। शिअद अध्यक्ष, (जो बलविंदर सिंह भुंडूर, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और दलजीत सिंह चीमा सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ थे) ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वह सरकार को निर्देश दें कि प्रमुखों की सुरक्षा कवर वापस लेने के आदेश में की गई चूक की न्यायिक जांच का आदेश दिया जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह राज्य की सुरक्षा समीक्षा समिति की बैठक किए बिना मुख्यमंत्री द्वारा एकतरफा किया गया है। उन्होंने यह भी मांग की कि इस चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से कहा कि आप सरकार राज्य को अराजकता के काले दिनों में वापस ले जा रही है। सुरक्षा केवल खतरे की धारणा पर दी जानी चाहिए और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत मुख्यमंत्री ने सभी नियमों और विनियमों को एक तरफ रख दिया था और सुरक्षा कवर पर अपनी मर्जी पर निर्णय ले रहे हैं।

'हमने देखा है कि सिद्धू मूसेवाला के साथ-साथ अन्य प्रमुख हस्तियों की सुरक्षा कवर वापस ली जा रही है, जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुरक्षित करने के लिए 80 पंजाब पुलिस कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है।'

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि इसी तरह आप सांसद राघव चड्ढा को मनमाने ढंग से चार सुरक्षा वाहन दिए गए हैं।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए बादल ने कहा कि यूथ आइकन मूसेवाला की जान आप सरकार के गलत फैसलों के कारण गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने न केवल मूसेवाला की सुरक्षा वापस लेने का एकतरफा फैसला लिया है, बल्कि आप के फेसबुक पेज पर भी इस तथ्य का विज्ञापन करते हुए कहा है कि यह वीवीआईपी संस्कृति के खिलाफ एक जीत है।

उन्होंने कहा, 'इस तरह की घटिया राजनीति निंदनीय है।'

सफर के दौरान अधिक समान ले जाना रेल यात्रियों को पड़ सकता महंगा

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 मई। सफर के दौरान अधिक समान ले जाना रेल यात्रियों को महंगा पड़ सकता है। रेलवे ने चेतावनी जारी करते हुए सामान अधिक होने पर पार्सल कार्यालय से लगेज बुक कराने की सलाह दी।

दरअसल देश में लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेलवे हमेशा से लोगों की एक खास पसंद रहा है क्योंकि फ्लाइट के मुकाबले यात्री ट्रेन में सफर के दौरान अधिक सामान लेकर यात्रा कर सकते हैं। हालांकि ट्रेन से भी सफर के दौरान सामान ले जाने को लेकर एक सीमा तय है लेकिन बावजूद इसके कई यात्री बहुत अधिक सामान लेकर ट्रेन में सफर करते हैं, जिससे अन्य यात्रियों को भी असुविधा होती है यही वजह है कि रेलवे ने ऐसे यात्रियों के लिए लगेज बुक करने की सलाह दी है।

रेल मंत्रालय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर लोगों से सफर के दौरान जरूरत से अधिक सामान लेकर सफर न करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा, अगर सामान होगा ज्यादा, तो सफर का आनंद होगा आधा! अधिक सामान ले कर रेल यात्रा ना करें। सामान अधिक होने पर पार्सल कार्यालय जा कर लगेज बुक कराएं।

रेलवे के नियमों के मुताबिक, यात्री ट्रेन के सफर के दौरान 40 से 70 किलोग्राम तक ही सामान लेकर यात्रा तक सकते हैं। अगर कोई इससे अधिक सामान लेकर यात्रा करता है, तो उसे अलग से किराया देना होगा। दरअसल रेलवे के कोच के हिसाब से सामान का वजन अलग निर्धारित है। रेलवे के अनुसार, यात्री स्लीपर क्लास में अपने साथ 40 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं। वहीं एसी टू टीयर तक 50 किलो सामान ले जाने की छूट है। जबकि फस्ट्ट क्लास एसी में 70 किलो तक सामान यात्री ले जा सकते हैं।

गौरतलब है कि निश्चित सीमा से अधिक सामान होने पर यात्रियों से रेलवे अतिरिक्त शुल्क वसूल सकता है। इसके साथ ही रेल यात्रा के दौरान स्टोप, गैस सिलेंडर, किसी तरह का ज्वलनशील कैमिकल, पटाखे, तेजाब, बदबूदार वस्तुएं, चमड़ा या गीली खाल, पैकेजों में लाए जाने तेल, ग्रीस, घी, ऐसी वस्तुएं जिनके टूटने या टपकने से वस्तुओं या यात्रियों को क्षति पहुंच सकती है। रेल यात्रा के दौरान प्रतिबंधित वस्तुएं ले जाना भी अपराध है। यदि यात्री इन प्रतिबंधित वस्तुओं में किसी तरह की वस्तु यात्रा के दौरान साथ लेकर जा रहे हैं तो रेलवे एक्ट की धारा 164 के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

ऐसे में रेलवे यात्रियों को पार्सल सुविधा उपलब्ध करता है। इसके तहत यात्री सामान का किराया भरकर बिना किसी परेशानी के सफर का आनंद उठा सकते हैं।

पीएम मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले उम्मीदवारों को दी बधाई

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2021 में सफल होने वाले सभी लोगों को बधाई दी है।

ट्वीटों की एक श्रृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा, 'उन सभी को बधाई, जिन्होंने सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2021 में सफलता हासिल की है। इन युवाओं को मेरी शुभकामनाएं, जो भारत की विकास यात्रा के उस एक महत्वपूर्ण क्षण में अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत कर रहे हैं, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'मैं उन लोगों की निराशा को भली-भांति समझता हूं जो सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि ये वो उत्कृष्ट युवा हैं, जो किसी भी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाएंगे और भारत को गौरवान्वित करेंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।'

लोक सेवा आयोग ने आज सिविल सर्विस परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परीक्षा में श्रुति शर्मा ने ऑल इंडिया रैंक 1 और अंकिता अग्रावल ने ऑल इंडिया रैंक 2 और गामिनी सिंगला ने ऑल इंडिया रैंक 3 हासिल किया है।

आयोग ने बताया कि लगभग 685 उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की है। हालांकि आयोग ने सफल परीक्षार्थियों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

आयोग ने बताया कि सफल परीक्षार्थियों में सामान्य वर्ग के 244, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 73, अन्य पिछड़ा वर्ग के 203, अनुसूचित जाति के 105 और अनुसूचित

जनजाति के 60 परीक्षार्थी शामिल हैं।

हर साल सिविल सेवा परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। यह परीक्षा तीन चरणों में होती है, जिसके तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का चयन किया जाता है।

मूसेवाला हत्याकांड की जांच हाई कोर्ट के मौजूदा जज से कराने के आदेश : सीएम

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को मशहूर गायक शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले की जांच के लिए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत गायक के पिता बलकार सिंह सिद्धू के अनुरोध को स्वीकार करते हुए कहा कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मामले की जांच मौजूदा न्यायाधीश से कराने का अनुरोध करेगी।

मान ने कहा कि राज्य सरकार इस जांच आयोग को पूरा सहयोग करेगी, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जैसी किसी भी केंद्रीय एजेंसी को शामिल करना शामिल है।

उन्होंने आगे पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से घटना के संबंध में अपने रविवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहा।

मूसेवाला की जघन्य हत्या की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार इस जघन्य अपराध के अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मान ने कहा कि उन्होंने मामले की गहन जांच के लिए पुलिस को पहले ही निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिवंगत गायक की सुरक्षा में कमी के सभी पहलुओं की भी जांच की जा रही है और चूक की जिम्मेदारी, यदि कोई होगी, निश्चित रूप से तय की जाएगी।

इस बीच, मूसेवाला के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत गायक एक प्रसिद्ध कलाकार और पंजाब के एक सांस्कृतिक प्रतीक थे।

मान ने कहा कि दिवंगत आत्मा के लिए उनके मन में गहरा सम्मान है और कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ है।

उन्होंने परिवार के साथ अपनी संवेदना साझा की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा में कटौती के 24 घंटे से भी कम समय में रविवार को दिनदहाड़े मानसा में उनके पैतृक गांव के पास गैंगस्टरों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह 29 वर्ष के थे।

वह महिंद्रा थार एसयूवी में सवार थे, जब हमलावरों ने सिंगर और उनके दो दोस्तों पर 20 से अधिक राउंड फायर किए, उनके दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मूसेवाला को सात-आठ गोलियां लगीं।

मूसेवाला को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मानसा अस्पताल के सिविल सर्जन ने कहा कि मूसेवाला को मृत लाया गया, जबकि दो अन्य को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

यह घटना पंजाब पुलिस द्वारा पूर्व विधायकों, दो तख्तों के जत्थेदारों, डेरों के प्रमुखों और पुलिस अधिकारियों सहित 420 से अधिक लोगों की सुरक्षा वापस लेने के आदेश के एक दिन बाद हुई है।

उनके चार बंदूकधारियों में से दो को नए सरकारी आदेश के साथ वापस ले लिया गया था। जब वारदात हुई, तब मूसेवाला बिना सुरक्षा के थे। उनकी गाड़ी बुलेट प्रूफ भी नहीं थी। पुलिस ने बताया कि आम तौर पर वह आने-जाने के लिए बुलेट प्रूफ टोयोटा फॉर्च्यूनर का इस्तेमाल करते थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com